राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 17 जुलाई 2023 वर्ष-6,अंक-173 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

ब्राइडल लुक में नजर आई शहनाज गिल

शहनाज गिल अक्सर ही अपने लुक को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह ब्राइडल लुक में नजर आ रही हैं। वीडियो में एक्ट्रेस ने रेड लंहगा पहना हुआ है। सोशल मीडिया पर फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो में शहनाज गोल्डन और रेड लाहंगे में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। उन्होंने अपने सिर पर एक जालीदार लाल दुपट्टा भी रखा हुआ है। हाथ में मेंहदी, लाल बिंदी और मैचिंग चूड़ी में वह एकदम दुल्हन लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने लाइट मेकअप और मिनिमल ज्वेलरी के साथ कम्पलीट किया है। वीडियो शेयर करते हुए शहनाज ने कैप्शन में लिखा, 'मैं खुद से प्यार करती हूं'। वहीं वीडियो के बैकग्राउंड में 'कहानी सुनो 2.0 'गाना सुनाई दे रहा है। ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, कुछ ही घंटों में इसे लाखों लाइक्स मिले हैं। फैंस ने वीडियो पर कमेंट करते हुए उनकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'हम भी तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करते रहेंगे'। दूसरे ने लिखा, 'बहुत सुन्दर लग रही हैं'। तीसरे ने लिखा, 'हमारे दिल की रानी'।

बांके बिहारी मंदिर से 500 मीटर दूर तक पानी पहुंचा, 1000 लोग फंसे

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे बाढ़ की आशंका और गहरा गई है। यदि 24 घंटे में जलस्तर कम नहीं होता है तो तटीय किनारों के सैकड़ों गांव पानी से घिर जाएंगे। ऐसे में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जलस्तर खतरे के निशान 166 को पार कर 166.04 मीटर पर पहुंच गया। यमुना के बढ़ते जल स्तर ने 40 गांव और 12 कॉलोनी बाढ़ की चपेट में ले लिया हैं। करीब 1 हजार लोग यहां फंसे हुए हैं। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर से 500 मीटर दूर तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। रिंग रोड 3 जगह पर डूबी हुई है। यहां 3-3 फीट पानी भरा हुआ है। गाजियाबाद में अल्लीपुर तटबंध टूटने से करीब 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में यमुना का पानी भर गया है। यहां 9 गांव में पानी भरा हुआ है। मथुरा के घाटों पर बैरीकेडिंग एवं टिन लगाने के साथ ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यमुना में नावों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। वहीं खादर की कॉलोनियों में बने घरों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। डीएम, नगरायुक्त और महापौर ने घाटों और यमुना खादर में बनीं कॉलोनियों में जाकर जायजा लिया और आवश्यक प्रबंध कराए। पिछले छह दिनों से यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ताजेवाला से 41955 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि ओखला से यह जलराशि 292911 क्यूसेक रही। मथुरा के प्रयागघाट पर यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार करते हुए 166.04 मीटर पर पहुंच गया। तेजी से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गोकुल बैराज के सभी 21 गेटों से 99119 क्सूसेक पानी आगरा की ओर छोड़ा गया है। विश्राम घाट का आरती स्थल जलमग्न हो गया है। यमुना का पानी मथुरा के गणेश टीला खादर एवं वृंदावन खादर में बनीं दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों में घुस गया है। दर्जनों घरों को यमुना ने घेर लिया है। इसके बावजूद लोग घरो में जमे हुए हैं। वहीं सदर क्षेत्र में बाढ़पुरा और तिवारीपुरम एवं औरंगाबाद क्षेत्र में यमुना किनारे बनीं कॉलोनियों में बने घरों में यमुना का पानी घुस गया है। वृंदावन के पास बाबूगढ़, सेई और बसऊ गांव को भी यमुना के पानी ने घेर लिया है। बाढ़ चैकियों पर तैनात कर्मचारियों द्वारा गावों से लोगों का निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। बाढ़ की आशंका के मद्देनजर लोग अपने घरों को छोड़कर सामान लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे हैं। नगरनिगम द्वारा सुरक्षा की दृष्टिगत विश्रामघाट, बंगाली घाट समेट सभी घाटों पर बैरिकेडिंग एवं टिन लगाई गई। पुलिस प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को घाटों और यमुना किनारे पर जाने से रोकने के लिए पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

विपक्षी एकता हुई मजबूत

नई दिल्ली। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस आम आदमी पार्टी का साथ देने के लिए तैयार हो गई है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार के अध्यादेश का विरोध करने की बात कही है। आप सांसद राघव चड्ढा ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली अध्यादेश का स्पष्ट विरोध करने की घोषणा की है। यह एक सकारात्मक विकास है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम दिल्ली में केंद्र के अध्यादेश का विरोध करेंगे। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली अध्यादेश का समर्थन नहीं करने जा रहे हैं। कल विपक्ष की बैठक बेंगलुरु में होने वाली हैं और इस बैठक में शायद केजरीवाल शामिल होंगे। जिसके बाद अब माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हो सकती है। हालांकि, इससे पहले आम आदमी पार्टी ने आज शाम चार बजे राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक बुलाई है। पंजाब के सीएम भगवंत मान भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएसी बैठक में शामिल होंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी का चुनावी रथ रोकने के लिए बेंगलुरू में 17-18 जुलाई को विपक्षी एकता की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें कई विपक्षी पार्टियां शामिल होंगी। लेकिन अभी तक इस बैठक को लेकर आम आदमी पार्टी का रुख साफ नहीं हुआ है। आप लगातार कह रही थी कि कांग्रेस को दिल्ली अध्यादेश पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और उसके बाद ही वह विपक्षी दलों की अगली बैठक में शामिल होने पर फैसला करेगी।

सुभासपा अध्यक्ष राजभर फिर एनडीए में शामिल

3 लोकसभा सीट और योगी कैबिनेट में मंत्री पद की शर्त

नई दिल्ली। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर फिर एनडीए में शामिल हो गए हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह से उन्होंने दिल्ली में मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक, राजभर ने योगी कैबिनेट में मंत्री पद, यूपी में 3 लोकसभा सीट और बिहार में 1 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने की शर्त रखी है। इनमें घोसी और चंदौली सीटें शामिल हैं। एनडीएठऊ्अ का हिस्सा बनने के बाद राजभर ने रविवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी। राजभर आज ही सुभासपा कार्यकारिणी बैठक भी करने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान उनकी पार्टी सीटों को लेकर नए सिरे से रणनीति तय करेगी। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा और सुभासपा का गठबंधन टूट गया था। जिसकी वजह यह बताई गई थी कि गाजीपुर सीट से अमित शाह चाहते थे कि यहां भाजपा के सिंबल से चुनाव लड़ा जाए, लेकिन राजभर लगातार अपने सिंबल पर चुनाव लड़ने की जिद पर अड़े हुए थे। इसके बाद विधानसभा चुनाव 2022 राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मिलकर लड़ा। चुनाव नतीजे आने और यूपी में योगी सरकार दोबारा बनने के बाद राजभर ने अखिलेश से भी किनारा कर लिया। गृहमंत्री अमित शाह से 1 महीने में 2 मुलाकात के बाद उनकी एनडीए जॉइनिंग को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि राजभर के बेटे अरुण राजभर को गाजीपुर से प्रत्याशी बनाए जाने का ऐलान भी किया जा सकता है। गाजीपुर लोकसभा की सीट माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी के पास थी, लेकिन गैंगस्टर मामले में 4 साल की सजा के बाद उसकी सांसदी चली गई।

31 हजार करोड़ के 116 एमओयू में से 56 परियोजनाओं पर काम शुरू

नौ हजार से ज्यादा पैदा होंगे रोजगार

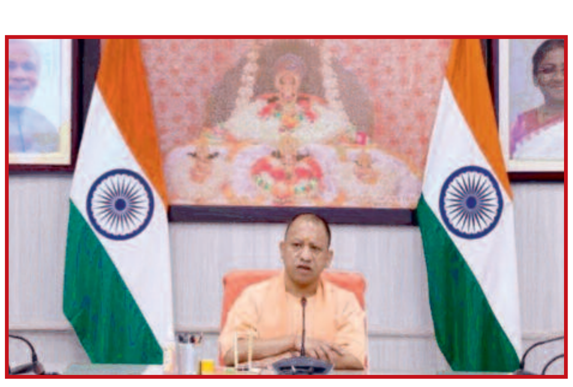

लखनऊ। एलडीए की ओर से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत विभिन्न निवेशकों के साथ साइन किए गए 31 हजार करोड़ के 116 एमओयू में से 56 परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है। इनमें तेजी से काम चल रहा है, जिसमें अब तक 2152 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका, कार्य की प्रगति के साथ और निवेश आएगा। एलडीए वीसी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने निवेशकों के साथ बैठक कर अन्य परियोजनाओं को भी शीघ्र लॉन्च करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत 31 हजार करोड़ के निवेश के 116 एमओयू साइन किए गए हैं।

इनमें से 16,500 करोड़ रुपये की 78 परियोजनाएं भूमि पूजन के लिए तैयार हैं। इनमें से 56 परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है, जिससे 2,152 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। राजधानी में रियल एस्टेट सेक्टर की इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से लगभग 3,500 लोगों को परोक्ष रूप से जबकि 6,000 लोगों को अपरोक्ष रूप से रोजगार मिला है। बैठक में सचिव पवन कुमार गंगवार, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, नगर नियोजक केके गौतम, अधिशासी अभियंता संजय जिंदल, सहायक लेखाधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी व विकासकर्ता उपस्थित रहे। कनक बिहारी, अमरावती होम्स व हर्षा इन्फ्रा डेवलपर्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि नगर निगम से एनओसी न मिलने के कारण मानचित्र स्वीकृत होने में विलंब हो रहा है। इसी तरह सफायर इन्फ्रावेन्चर के प्रतिनिधि ने सिंचाई विभाग से एनओसी न मिलने के कारण परियोजना की लॉन्चिंग में देरी होने की बात बताई। इस पर उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के साथ शीघ्र बैठक करके एनओसी आदि की अड़चनों को दूर कराया जाए। अमरावती होम्स, पिन्टेल रियलिटी डेवलपर, श्रीराज इन्फ्रा व अन्य के प्रतिनिधियों ने उपाध्यक्ष को बताया कि उनकी परियोजनाओं के तहत कुछ जगहों पर अवैध निर्माण एवं प्लाटिंग हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। इस पर उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस प्रकरण में कार्ययोजना बनाते हुए विशेष अभियान चलाकर अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया जाए। जिन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अर्जन संबंधी दिक्कतें हैं, उनमें उपाध्यक्ष ने कार्रवाई के लिए भू-स्वामित्व अभिलेखों के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सोनिया गांधी ने हरियाणवी गाने पर डांस किया

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने रविवार को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें हरियाणा के सोनीपत से आई कुछ महिलाएं सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के साथ हरियाणवी गाने पर डांस करती हुई दिख रही हैं। करीब 12 मिनट के इस वीडियो में सोनीपत की कुछ महिलाओं को दिल्ली लाने, घुमाने और अंत में उनकी सोनिया, प्रियंका और राहुल से मुलाकात शामिल है। वीडियो में प्रियंका गांधी के आवास पर पहुंची इन महिलाओं से राहुल पूछते दिख रहे हैं- कैसी लगी दिल्ली, घूमा कि नहीं? इसके बाद उनके साथ सोनिया, प्रियंका और राहुल लंच करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के शुरूआती हिस्से में राहुल और सोनीपत के दो किसानों के बीच बातचीत है। 8 जुलाई को शिमला जाने के दौरान राहुल सोनीपत के मदीना गांव में इन किसानों से मिले थे। राहुल ने खेत में ट्रैक्टर चलाया, धान रोपा और किसानों के साथ खाना भी खाया था। तब उन्होंने इन महिलाओं को दिल्ली आने का न्योता दिया था। हालांकि इसका पूरा वीडियो सामने नहीं आया है। वीडियो में 8 जुलाई को सोनीपत के मदीना गांव में राहुल गांधी महिलाओं के साथ बातचीत करते हुए दिख रहे हैं। राहुल महिलाओं से उनकी समस्या और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछते हैं।

मुंबई में लहरों में बह गया कपल

पत्नी की मौत, पत्थर पर बैठ वीडियो बनवा रहे थे

मुंबई । बांद्रा बैंडस्टैंड में समुद्र में चट्टान पर बैठकर फोटो क्लिक करवा रहा एक कपल लहरों में बह गया। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। पति का नाम मुकेश (35) और पत्नी का नाम ज्योति (32) है। घटना बीते रविवार को हुई जब यह कपल अपने बच्चों और परिवार के लोगों के साथ पिकनिक मनाने निकला था। जब महिला पानी में बही तो बच्चे मम्मी-मम्मी चिल्लाते रह गए। वीडियो में ये पूरा वाकया कैद हो गया। वहीं, आज मुंबई के मार्वे बीच पर नहाने गए 5 लड़के पानी में डूब गए। ये सभी लड़के 12 से 16 साल के थे। इनमें से दो को रेस्क्यू कर लिया गया है। हादसे वाले दिन परिवार जुहू चौपाटी पर पिकनिक मनाने निकला था, लेकिन हाई टाइड के चलते उन्हें जुहू बीच पर एंट्री नहीं मिली। इसके बाद परिवार बांद्रा बैंडस्टैंड पहुंचा। बांद्रा फोर्ट पहुंचकर परिवार समुद्र के पास खड़े होकर तस्वीरें लेने लगा। इसके बाद मुकेश (35) और ज्योति (32) समुद्र में कुछ दूर जाकर चट्टान पर बैठ गए और फोटो-वीडियो क्लिक करवाने लगे। परिवार के लोग दूर से वीडियो क्लिक करते हुए उन्हें किनारे पर आने को बोलते रहे, लेकिन कपल वहीं बैठा रहा। इतने में ही एक बेहद ऊंची लहर दोनों को अपने साथ बहाकर ले गई।

पहाड़ों पर गए पर्यटकों के लिए बारिश बनी आफत

लखनऊ। पेशे से नर्स तृप्ति भारती एम्स ऋषिकेश गई हुई थीं। उनकी वापसी रविवार को देहरादून-बनारस एक्सप्रेस से होनी थी, लेकिन बारिश के चलते ट्रेन कैंसिल कर दी गई। इधर, रोडवेज बसों का संचालन भी उत्तराखंड के लिए बंद है। ऐसे में उन्हें शेयरिंग टैक्सी का सहारा लेना पड़ा। तृप्ति अकेली ऐसी यात्री नहीं हैं, जो ट्रेन कैंसिल होने से परेशान हैं। रोजाना ऐसे सैकड़ों यात्री दिक्कतें झेल रहे हैं। दरअसल, अंबाला, मुरादाबाद एवं दिल्ली मंडल के सरहिंद नांगलडैम, चंडीगढ़ सानेहवाल, सहारनपुर अम्बाला, दिल्ली यमुना ब्रिज पर जलस्तर बढ़ने एवं हरिद्वार-मोतीचूर रेलखंड में जलभराव के चलते ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया, जिससे रूट पर फंसे यात्रियों के लिए वापसी का संकट पैदा हो गया है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि शनिवार को बनारस-देहरादून एक्सप्रेस, देहरादून-बनारस एक्सप्रेस, देहरादून-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस शनिवार को निरस्त रहीं। वहीं डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध असम एक्सप्रेस वाया साहिबाबाद नई दिल्ली किशनगंज के रास्ते, उदयपुर सिटी न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, दिल्ली, सरायरोहिल्ला, नई दिल्ली, साहिबाबाद तथा अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस सब्जी मंडी, नई दिल्ली, साहिबाबाद के रास्ते चलाई गई। ट्रेनों व बसों का संचालन बाधित होने के बाद जो यात्री चंडीगढ़, जम्मू, उत्तराखंड आदि स्थानों पर फंस गए हैं, उनकी वापसी की राह मुश्किल हो गई है। ऐसे में वे महंगे विमान से भी लखनऊ वापसी कर रहे हैं। एलआईसी एजेंट राजू पाठक जम्मू गए थे, जहां से वह आठ हजार रुपये के टिकट वाली कनेक्टिंग फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे। सीएम समीर शुक्ल भी जम्मू से फ्लाइट लेकर लखनऊ लौटे हैं। बनारस-देहरादून एक्सप्रेस, देहरादून-बनारस एक्सप्रेस, प्रयागराज संगम-देहरादून एक्सप्रेस, जयनगर-अमृतसर एक्सप्रेस रविवार को कैंसिल रहेंगी। जबकि 17 जुलाई को बनारस-देहरादून एक्सप्रेस, देहरादून-बनारस एक्सप्रेस, मुजफ्फरपुर-देहरादून एक्सप्रेस व देहरादून-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस निरस्त रहेंगी। सोमवार को गुवाहाटी से जम्मूतवी के बीच चलने वाली लोहित एक्सप्रेस कैंसिल रहेगी।

मिशन चंद्रयान -3 सफलता की उम्मीद ?

प्रभुनाथ शुक्ल

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में सबसे कम खर्च में हमारे वैज्ञानिकों ने बुलंदी का झंडा गाड़ा है। हम चाँद को जीतने निकल पड़े हैं। कभी हम साइकिल पर मिसाइल रखकर लांचिंग पैड तक जाते थे, लेकिन आज हमारे पास अत्याधुनिक तकनीकी उपलब्ध है। जिसका लोहा अमेरिका और दुनिया के तकनीकी एवं साधन संपन्न देश मानते हैं। इसरो ने 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान -3 का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर दिया। यान पृथ्वी की कक्षा में स्थापित भी हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रक्षेपण की सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरिक्ष में चंद्रयान-3 एक नए चैप्टर की शुरूआत है। अंतरिक्ष में बढ़ते कदम की वजह से चन्द्रमा के साथ-साथ अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस मिशन का उपयोग हम विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। जिसकी वजह कृषि एवं दूसरे क्षेत्र में बड़ा फायदा मिलेगा। हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है।

चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक जमीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साबित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है।

सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो मिशन चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी में जुटा है। हमारा अभियान अगर असफल हो गया तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। जिसकी पहचान चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करने वाले देश के रूप में होगी। निश्चित रूप से हमारे वैज्ञानिकों को इसमें सफलता मिलेगी। यह चंद्रयान -2 मिशन को आगे बढ़ाने की कोशिश है। क्योंकि यह अभियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बाद भी कक्षा में स्थापित होने के पहले असफल हो गया था। लिहाजा उस अभियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अभियान सफल होगा और भारत का नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। चंद्रमा पर सफल और सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब तक सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी इस बिरादरी में शामिल हो जाएगा। देश के लिए यह गर्व और गौरव का विषय होगा।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के अनुसार यह मिशन पूरी तरह चंद्रयान- 2 की तरह ही होगा। अभियान पर करीब 615 करोड़ का खर्च आया है। यह 50 दिन बाद लैंड करेगा। इस यान में भी एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। यह चंद्रयान -2 के मुकाबले इसका लैंडर 250 किलोग्राम अधिक वजनी होगा और 40 गुना अधिक स्थान का घेराव करेगा। यान की गति प्रतिघंटा 37 हजार किलोमीटर वैज्ञानिकों ने उस तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर लिया है जिसकी वजह से चंद्रयान-2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद भी फेल हो गया था। इस बार अंतरिक्ष संगठन की पूरी कोशिश है कि यह पूरी तरह सफल हो। 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से इस मिशन का आगाज किया जाएगा। चंद्रयान-3 को 01 अगस्त तक यह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। जबकि 23 अगस्त तक सब ठीक रहा तो चंद्रतल पर इसे सुरक्षित स्थापित किया जाएगा। इस मिशन का यह सबसे चुनौतीपूर्ण मसला है। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चुनौती है। चंद्रयान-2 मिशन पर 978 करोड़ रुपए का खर्च आया था। 50 दिन से कम समय में 30844 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तय की थीं। लेकिन अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के भरपूर प्रयास के बावजूद भी मिशन फेल हो गया था। अभियान के अंतिम क्षणों में विक्रम लैंडर में दिक्कत होने से झटका लगा था। जबकि चंद्रतल की दूरी बेहद करीब थीं। चंद्रयान-3 की अगर सफल और सुरक्षित लैंडिंग हो जाती है तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। चंद्रमा की कक्षा में सफल लैंडिंग के पूर्व रूस, अमेरिका भी कई बार विफल हो चुका था। लेकिन चीन अकेला ऐसा देश था जिसने इस मिशन को पहली बार में ही सफलता हासिल कर लिया था।

भारत चार साल बाद पुनः अधूरे मिशन को कामयाब करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाएगी। यह अभियान अंतरिक्ष के युग में एक बड़ी कामयाबी साबित होगा। इसरो की तरफ से चंद्रयान - 3 के प्रक्षेपण की सूचना के बाद से दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं। अमेरिका, जैसे देश के अलावा चीन इस पर विशेष रूप से नजर गड़ाए। भारत की सफलता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जहां इन देशों के लिए चुनौती साबित होगी। वही अभी तक अंतरिक्ष में अपना आधिपत्य समझने वाले हमारी ताकत को समझने लगेंगे। इससे बड़ी उपलब्धि हमारे लिए और क्या हो सकती है।

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अभी हमारा चंद्रयान पृथ्वी की कक्षा में है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी चुनौती चंद्रमा की सतह पर सफल स्थापित होने की है। क्योंकि हमारा मिशन चंद्रयान- 2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद विफल हो गया था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विफलताओं से हम हार जाएं। वैज्ञानिकों ने उन तकनीकी खामियों को दूर कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रयान -3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर स्थापित करने में कामयाब होंगे।

(वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक)

संपादकीय

ड्रेऩ नेटवर्क संकटग्रस्त

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी अपने रौद्र रूप में है। नदी के जलस्तर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड. तोड़. दिए हैं। पिछले कुछ वर्षों से दौरान संज्ञान लिया जा रहा है कि भारत के महानगरों की ड्रेऩेज व्यवस्था अनियमित जलवायु परिवर्तन के सामने बेबस और लाचार है। यमुना में आई इस बाढ़ से समझा जा सकता है कि यहां की ड्रेऩेज व्यवस्था संकटग्रस्त है। अभी दिल्ली के लोग बाढ़ के कारण जिस तरह की कठिनाइें का सामना कर रहे हैं, वह मानव-निर्मित है। सरकारी प्रबंधन की विफलता है। यमुना के किनारे अवैध निर्माण भी बड़ा कारण है, जिसने प्राकृतिक जल निकासी के मार्गों को अवरुोद्धकर दिया है। मुंबई और चेन्नई की तुलना में दिल्ली में बरसात कम होती है, लेकिन हर वर्ष हल्की बरसात के बाद सड़कों पर जलजमाव हो जाता है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने स्वीकार किया है कि मानसून की बरसात से पहले नालों की सफाई ठीक से नहीं की जाती। यह भी कहा कि 2014 के बाद दिल्ली की आबादी 50 लाख बढ़रूगई है। इसका दबाव नागरिक सुविधाओं पर पड़ऩा लाजिमी है। बढ़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए सीवर लाइनों और जल निकासी के लिए योजनाएं नहीं बनाई गई। इसलिए जल भराव की समस्या पैदा होती है। सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों को इस बाढ़ से सबक लेते हुए दिल्ली में ड्रेऩेज व्यवस्था को ठीक करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। दिल्ली का जल निकासी मास्टर प्लान 1976 में बना था। 2016 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आईआईटी, दिल्ली को इस महानगर की जल निकासी प्रणाली का अध्ययन करने के लिए कहा था। लेकिन यह अध्ययन हुआ या नहीं, अगर हुआ तो इसकी रिपोर्ट कहां है, इसकी जानकारी नहीं है। अनियमित और अंधाधुंध विकास ने नालों और जलाशयों को भर दिया है। ऐसे में पानी बहेगा कैसे। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों समेत देश के ज्यादातर शहर जल निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। देश में चंड़ीगढ़ को सबसे नियोजित शहर बताया जाता है, लेकिन यहां भी जलसमाधि लिए हए सड़के दिखाई दीं। सवाल उठता है कि शहर की योजना बनाते समय अच्छी और आधुनिक जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता। महानगरों और शहरों में बढ़ती आबादी के अनुरूप जल निकासी की व्यवस्था को फिर से ड़िजायन करने कर जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवसः आशा और उम्मीद का प्रतीक होता है न्याय

रमेश सर्राफ धमोरा

न्याय शब्द एक आशा और उम्मीद का प्रतीक है। जब किसी को लगता है कि उसकी बात अच्छी तरह सुनी जाएगी तथा उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा वह न्याय है। न्याय शब्द एक नई रोशनी लेकर आता है। व्यक्ति के मन में एक उम्मीद जगाता है कि उनकी बात को पूरी तरह सुनकर ही निर्णय किया जाएगा। न्याय एक बहुत ही सम्मानित वह संतुष्टि प्रदान करने वाला शब्द है। आज भी जब दो व्यक्तियों के बीच में झगड़ा होता है तो दोनों एक दूसरे से कहते हैं कोर्ट में आ जाना फैसला हो जाएगा। यह लोगों की न्याय के प्रति आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है।

न्याय पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार होता है। कोई भी सरकार या व्यवस्था तभी सफल मानी जाती है। जिसमें हर व्यक्ति को निष्पक्ष रुप से न्याय मिल सकें। हमारे देश में तो सदियों से न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है। राजा महाराजाओं के जमाने में भी लोगों के साथ न्याय किया जाता था। जिनके उदाहरण हम आज भी देते हैं। भारत के महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की न्याय प्रणाली की आज भी हर जगह चर्चा और सराहना होती है।

हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तो संविधान के निमार्ताओं ने न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखा। न्याय के लिए सशक्त कानून बनाए गए थे। देश के लोगों को सही व निष्पक्ष न्याय मिल सके इसके लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की स्थापना की गई थी। जो आज भी न्यायिक प्रक्रिया में संलग्न है। हमारे देश में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पद के अयोग्य ठहरा दिया जाना था। इससे अधिक न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मजबूती कहां देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के तहत अदालतों को न्याय एवं अन्याय में फर्क करने का अधिकार हासिल हैं। सही क्या है तथा गलत क्या है यह अदालत विधान की पुस्तकों के आधार पर तय करती हैं। आज लम्बित मामलों की संख्या को देखकर कहा जा सकता है इंसाफ चाहने वाले पीड़ित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारे देश की विधायी व्यवस्था में न्याय की शीर्षस्थ संस्था न्यायालय हैं।

विश्व न्याय दिवस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की उभरती प्रणाली को मान्यता देने के प्रयास के तहत 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। हर साल दुनिया भर के लोग इस दिन का उपयोग अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए करते हैं। यह दुनिया में आधुनिक न्यायालय प्रणालियों की स्थापना का भी स्मरण कराता है। यह दिन मौलिक मानवाधिकारों की वकालत और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य आईसीसी के प्रयासों की सराहना करना और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय को बढ़ावा देने के लिए सभी को एकजुट करना है। 17 जुलाई 1998 को 120 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम संविधि नामक एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए एक साथ आए थे। रोम संविधि पर हस्ताक्षर करने का दिन मनाने के लिए विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस तब से हर साल मनाया जाता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय या आईसीसी विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस में शामिल एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण है। यह न्यायालय सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों वाले व्यक्तियों का विश्लेषण करता है और उन पर आरोप लगाता है। इनमें नस्लीय हत्याएं, युद्ध के दौरान अपराध, मानवता के अपराध और आक्रामकता के अपराध शामिल हो सकते हैं। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों का विकल्प नहीं हो सकता है लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच नहीं कर सकता है।

हमें बहुत से लोगों से अक्सर यह सवाल सुनने को मिलता है कि न्याय कहां मिलता हैं। इस प्रश्न का होना भी यह बताता है कि आज भी आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिल पा रहा हैं। न्याय के बारे में एक पुरानी अंग्रेजी कहावत है कि न्याय में देरी करना न्याय को नकारना है और न्याय में जल्दबाजी करना न्याय को दफनाना है। यदि इस कहावत को हम भारतीय न्याय व्यवस्था के परिपेक्ष्य में देखे तो पाएगे कि इसका पहला भाग पूर्णतः सत्य प्रतीत होता हैं। सीमित संख्या में हमारे जज और मजिस्ट्रेट मुकदमों के बोझ तले दबे प्रतीत होते हैं। एक मामूली विवाद कई सालों तक चलता रहता है तथा पीड़ित को दशकों तक न्याय का इतजार करना पड़ता हैं। यही वजह है कि लोगों में न्याय के प्रति गहरे असंतोष के भाव हैं। वे अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध इसलिए कोर्ट नहीं जाते क्योंकि उनके यह भरोसा नहीं रहा कि न्याय उसके लिए मददगार होगा।

आज भी न्यायपालिका परेशान लोगों के लिए सांत्वना का माध्यम है। निराश लोगों के लिए आशा की किरण है। गलत काम करने वाले लोगों के लिए भय का कारण है तथा कानून का पालन करने वाले लोगों को राहत देती है। यह बुद्धिमान और संवेदनशील लोगों के लिए एक घर के समान है। एक ऐसी शरण स्थली है जहां गरीब और अमीर दोनों को ही आसानी से न्याय मिलता है। न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों के लिए यह एक सम्मान और गर्व का स्थान होता है। परन्तु आज के समय में गरीब लोगों की न्यायालय में पहुंच बहुत कम हो गयी है। आज स्थिति यह हो चुकी है कि धूर्त लोग न्यायालयों का दुरूपयोग समाज के सम्मानित लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में करने लगे हैं। वे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सच्चा या झूठा मुकदमा दायर कर देते हैं और मुकदमा झेलने वाला व्यक्ति सारा जीवन स्वंय को निर्दोष सिद्ध करने में लगा देता है।

संविधान ने न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी अदालतों पर डाल दी है। वे ही न्याय के एकमात्र एवं सर्वोपरी स्त्रोत माने जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में उच्च न्यायालय एक मुकदमें का निर्णय सुनाने में लगभग चार वर्ष से अधिक का समय लेते हैं। उच्च न्यायालय से निम्न स्तरीय अदालतों का हाल तो इससे कही बुरा हैं। जिला कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चलने वाले एक मुकदमें का अंतिम फैसला 7 से 10 साल में आता हैं। लोगों का मानना है कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिक समय खर्च होने का मूल कारण मामलों की अधिकता हैं। लेकिन असल समस्या है मामलों का शीघ्र निपटान न हो पाना। केवल यह कहकर कि हमारे न्यायिक तन्त्र में खामियां बताकर उसे कोसते रहना उचित नहीं हैं।

कटाक्ष/ कबीरदास

अब रफाल-2...!

फ्रांस वालों ने क्या हद ही नहीं कर दी। बताइए! वही फ्रांस और वही पेरिस, पर शहर के एक सिरे पर तो मोदी जी के पांव रखने को लाल कालीन बिछवाए जा रहे थे और दूसरे छोर पर मणिपुर के बहाने यूरोपीय संसद में, डेम़ोक्रेसी के पप्पा जी को डेम़ोक्रेसी के ही पाठ पढ़ाए जा रहे थे। फिर भी, विश्व गुरू की शान में गुस्ताखी तो हो ही गई। घर बुलाकर ऐसे भी कोई बेइज्जत करता है, भला! और वह भी तब जबकि अगर मोदी जी के राज में दो महीने से मणिपुर जल रहा है, तो इसी बीच पांच-छह दिन तो पेरिस भी जलता ही रहा था, प्रदर्शनों से। मैक्रॉन की कमीजक्ष् मोदी जी के कुतक्षसे ज्यादा सफेद थोड़े ही है।

फिर बात अकेले फ्रांस की थोड़े ही है। पिछले ही महीने अमेरिका गए थे, तो व्हाइट हाउस में बुलाकर भाई लोगों ने, आठ-नौ साल में पहली बार मोदी जी से धर्मनिरपेक्षता वगैरह पर सीधा सवाल करवा दिया था। और अब फ्रांसीसी भी! ऐसे ही चला तो पता नहीं अगले चुनाव से पहले ही मोदी जी की शान को न जाने किस-किस की गुस्ताखी देखनी पड़े। बाहर वालों को तो कुछ ले-देकर पटा लें तो बात दूसरी है, वर्ना न तो ईडी-सीबीआई वगैरह भेजकर उनका मुंह बंद कराया जा सकता है, और न राहुल गांधी की तरह मानहानि के लिए संसद-वंसद से बंदों का पत्ता ही कटवाया जा सकता है। उस पर फ्रांसीसी तो अमेरिका वालों की तरह एक ही सवाल उछलवाने पर भी नहीं रुके। कहां तो मोदी जी रफाल सौदे के स्वीक्वल का महूर्त करने जा रहे थे और कहां फ्रांस की एक अदालत ने उनकी सरकार को चिट्ठी भेजकर, रफाल पार्ट-1 में घोटाले के आरोपों की जांच में, सहयोग की मांग कर दी। कहते हैं कि जैसे ताली एक हाथ से नहीं बजती है, वैसे ही सौदे में घोटाले में दो पक्ष जरूर लगते हैं। आप भी अपनी तरफ से घोटाले से पर्दा उठाओ! दो हाथ की बात आ गई, सो यह कहकर पीछा भी नहीं छुडक्ष सकते कि रफाल सौदा, हमारा निजी मामला है!

तो अब रफाल-2 माने, घोटाला-2 का शोर! चलिए, संसद के मानसून सत्र में मणिपुर पर चर्चा न होने पाए, इसका इंतजाम तो हो गया! वक्त गलत थोड़े ही रहता है।

सरहद पार सीमा की प्रेमकथा में उलझी जांच एजेंसियां

पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर और दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे के निवासी सचिन मीणा की प्रेम कहानी के चर्चे इस वक्त प्रत्येक इंसान की जुबान पर है। मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियों में सिर्फ यही सब कुछ चल रहा है। रबूपुरा में लोगों का तांता लगा हुआ, भीड़ इस कदर बढ़ रही है जिसे नियंत्रित करने को पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। सीमा के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिए जांच एजेंसियों को ऊपरी आदेश मिले हुए, इसलिए सादा वर्दी में कई दर्जन डेरा डाले हुए हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार से लेकर स्थानीय शासन-प्रशासन की भी फिल्डिंग लगी हुई। दरअसल, ये प्रेम कहानी अब दूसरा मोड़ ले चुकी है। प्रशासन को इस कहानी के पीछे कोई साजिश दिखती है। तभी, सीमा से दो मर्तबा विभिन्न जांच एजेंसियों ने अभी तक पूछताछ की है। हालांकि अभी ऐसा कुछ हाथ लगा नहीं, जिससे साबित हो कि सीमा वास्तव में पाकिस्तान जासूस है। साधारण इंसान की नजर से देखें तो पाकिस्तान का अगर कोई बेजुबान जानवर भी इस ओर आ जाए, तो उसे जितना प्यार करेंगे, उतना ही शक करेंगे। सीमा के साथ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हो रहा है।

बहरहाल, सीमा अपने प्रेमी सचिन के साथ ऑफिशियल शादी कर चुकी है नेपाल के किसी मंदिर में। अब वो उसके साथ यहीं भारत में ताउम्र जिंदगी बिताना चाहती है। लेकिन इसके साथ वह कानूनी पेचीदगी में भी फंसती जा रही है। फंसना लाजमी है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान से भारत आने का जो रास्ता इख्तियार किया है, वह घोर गैरकानूनी है। उसने अवैध रूप से एक नहीं, बल्कि तीन-तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया। कोई अन्य देश होता, जहां से सीमा आई होती, तो इतना बखेड़ा खड़ा नहीं होता। लेकिन बात पाकिस्तान की है। वहां के परिंदे से भी दोनों ओर नफरत की जाती है, शक की नजरों से देखा जाता है। सीमा हैदर के इस तरह हिंदुस्तान पहुंचने से कई सवाल उठ रहे हैं। सवाल उठने भी चाहिए, दोनों मुल्कों के रिश्ते इस वक्त बेहद तनावपूर्ण स्थिति में हैं। सालों बीत गए बातचीत बंद हुए। राजनीति, व्यापारिक, आपसी संबंध, एक-दूसरे के देशों में आने-जाने में तकरीबन प्रतिबंध ही है। ऐसे में अगर कोई उन बंदिशों को तोड़कर पहुंचे तो शक होना लाजमी है।

हिंदुस्तान आकर सीमा हैदर हर वो कदम उठा रही है जिससे यहां के लोग भावनात्मक तौर पर उसके प्रति प्यार और सहानुभूति दिखाएं। उसने सबसे पहले हिंदू धर्म अपनाया, जिसके लिए उस पर न किसी ने प्रेशर डाला गया और न किसी ने कहा। अपने गले में राधे-राधे का पट्टा पहनना, हनुमान चालीसा पढ़ना, यहां के तौर-तरीकों में खुद को तेजी से रमाना सबकुछ उसने आरंभ कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ वह मुखर होकर बोल रही है। बताती है कि वहां कैसे हिंदुओं के साथ अत्याचार होता है। हालांकि ये सच्चाई तो जगजाहिर है। उनके ये बयान सुनकर पाकिस्तानी लोग काफी गुस्से में हैं। गुस्से का असर दिखना भी शुरू हो गया है। वहां के एक डाकू ने फरमान जारी कर दिया है कि सीमा तुरंत पाकिस्तान आएं, वरना उसकी सजा वो हिंदुस्तान को देंगे। दो दिनों से वह लगातार सोशल मीडिया के जरिए हिंदुस्तान को धमका रहा है। निश्चित रूप से सीमा के यहां पहुंचने से दोनों देशों के दरम्यान रिश्ते और खराब होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि अभी तक अधिकारिक तौर पर दोनों देशों की सरकारों ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

फिलहाल बड़ा सवाल अब ये उठने लगा है कि खुदा-ना-खास्ता, अगर सीमा हैदर पाकिस्तान की जासूस निकली तो इसके पीछे भारतीय खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही मानी जाएगी। खुफिया एजेंसियों को छोड़ो, स्थानीय पुलिस और राज्य सरकार को भी भनक नहीं हुई। भेद करीब पचास दिनों बाद तब खुला जब सीमा-सचिन कोर्ट मैरिज करने दादरी स्थिति सूरजपुर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट में वकील ने जब दस्तावेज मांगे तो वकील को सीमा के पाकिस्तान होने का पता चला, उसके बाद वो सन्न रह गए। उन्होंने तुरंत स्थानीय थाने में इस बात की सूचना दी, सूचना पर पुलिस आई दोनों को थाने ले गई। करीब चौबीस घंटे दोनों को हिरासत में रखा, पूछताछ करके छोड़ दिया। फिलहाल मामला वहीं शांत हो गया था। लेकिन जब ये अनोखी प्रेम कहानी मीडिया की सुर्खियां बनीं तो मानो हंगामा ही कट गया। सभी चैनलों पर बीते चार-पांच दिनों से उन्हीं की प्रेम कहानी के किस्से सुनाए और बताए जा रहे हैं। सीमा की अद्भुत प्रेम कहानी अब सूबे के मुख्यमंत्री कार्यालय तक जा पहुंची है। उसके बाद सुरक्षा एजेंसियां, लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग फिर हरकत में आ गई। अब दोबारा से कड़ाई से जांच पड़ताल हो रही है। लेकिन अभी तक निकला कुछ भी नहीं। सीमा पढ़ी-लिखी तो कोई खास नहीं है। पर, उसके बात करने के लहजे, हिंदी-सिंधी-अंग्रेजी और उर्दू बोलना कान खड़े करते हैं। मात्र पांचवीं जमात पढ़ी ये औरत अच्छे से कम्पयूटर चलाती है, इंटरनेट का ज्ञान रखती है। जबकि, कराची के जिस गांव में रहती थी, वहां दिन में बमुश्किल पांच-छह घंटे की बिजली आती है। इसके अलावा शक ये भी होता है कि जिसकी गोदी में चार-चार अबोध बच्चे हों, उसे भला पबजी, इंटरनेट व सोशल मीडिया के लिए समय कहां से मिलेगा। लेकिन सीमा इन सबसे में निपुण है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों, लोकल इंटेलिजेंस और पुलिसिंग बीट के लिए सीमा की कहानी अब किसी भयंकर सिरदर्द से कम नहीं।

- डॉ. रमेश ठाकुर

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

किसी की भावना आहत नहीं होगी मैं रामायण पर बनाऊँगा ऐसी फिल्म

दंगल और छिछोरे के बाद अपनी अगली फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में चल रहे निर्देशक नितेश तिवारी हिंदू महाकाव्य रामायण पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद अब नितेश तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि रामायण पर बनाई उनकी फिल्म से किसी की भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के लिए उन्होंने राम-सिया के कास्ट के तौर पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लीड रोल में चुना है। हालांकि, डायरेक्टर की तरफ से अब तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। डायरेक्टर ने बताया कि बीते दिनों ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद ही उन्होंने ऐसे समय में रामायण पर फिल्म बनाने के फैसले को क्यों नहीं टाला। साथ ही डायरेक्टर ने ये फिल्म में राम-सिया ले रोल में रणबीर-आलिया को कास्ट करने को लेकर भी बात की। जब नितेश तिवारी से ये पूछा गया कि क्या उन्होंने आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद इस प्रोजेक्ट से पीछे हटने या कुछ दिनों के लिए इसे टाल देने के बारे में नहीं सोचा, तो उन्होंने कहा- मेरा सवाल बिल्कुल सिंपल है। जो कंटेंट मैं क्रिएट करता हूं, और लोगों के साथ मैं भी तो उसका कंज्यूमर हूं। इस वजह से मैं इस बात को लेकर बिल्कुल कॉफिडेंट हूं कि मैं जो फिल्म बनाऊंगा वो किसी की भावनाओं को चोट नहीं पहुंचाएगी। मुझे पता है कि मैं कंज्यूमर के तौर पर किस तरह का कंटेंट देखना चाहता हूं। फिल्म की कास्ट पर रणबीर-आलिया का नाम फाइनल किए जाने को लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। नितेश तिवारी ने कहा कि वो कास्ट को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे। डायरेक्टर ने रावण के रोल में चत्नस्न एक्टर यश उर्फ नवीन कुमार गौड़ा को चुना था। हालांकि, यश ने नेगेटिव रोल करने से मना कर दिया। इससे पहले ऋतिक रोशन को रावण के रोल में कास्ट किए जाने की बात भी सामने आ रही थी, लेकिन प्रोजेक्ट में हो रही देरी की वजह से ऋतिक रोशन ने भी इस रोल के लिए मना कर दिया था।

अधूरा को अपने सेंसटिव थीम के लिए सोशल मीडिया पर मिला खूब सारा प्यार और सरहाना

हाल ही में प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपनी पहली हिंदी हॉरर सीरीज़ अधूरा लॉन्च की है। इस सीरीज के स्ट्रीम होते ही क्रिटिक्स और मीडिया रिव्यूअर्स ने इसकी सस्पेंसफुल मिस्ट्री, दिलचस्प स्क्रीनप्ले की सराहना की, जिसमें डरावनी कहानी में कुछ अहम मुद्दों को बुनने के साथ-साथ विभिन्न और दिलचस्प तत्व शामिल हैं। और अब, दर्शक भी अपने सोशल मीडिया पेज पर विभिन्न किरदारों और स्थितियों के जरिए बुलिइंग और होमोफोबिया को छूने के लिए बहुत सारा प्यार और सराहना साझा कर रहे हैं। बुलिइंग के पहलुओं और युवा दिमागों पर इसके प्रभाव को उजागर करने और होमोफोबिया को संबोधित करने के लिए अधूरा ने दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को लेकर दर्शक काफी बातें कर रहें है।

एक साल के ब्रेक पर जाने से पहले सामंथा ने पूरी की सिटाडेल की शूटिंग

पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी बीमारी के चलते फिल्मों से तकरीबन एक साल का ब्रेक ले रही है। उन्होंने सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण की शूटिंग पूरी कर ली है। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी के साथ शूट खत्म होने की घोषणा की। भारतीय रूपांतरण का निर्देशन राज और डीके द्वारा किया गया है। इसमें वरुण धवन और सिकंदर खेर भी हैं। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया- 13 जुलाई हमेशा स्पेशल दिन होगा। और यह सिटाडेल का समापन है। एक्ट्रेस अपने सभी पेंडिंग काम पूरे कर रही हैं। पिछले हफ्ते ही सामंथा ने अपनी अपकमिंग फिल्म खुशी की शूटिंग पूरी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा को एक ऑटो-इम्यून बीमारी, मायोसिटिस है, जो उनकी मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाती है जिससे गंभीर दर्द होता है। एक्ट्रेस अब अपने इलाज पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग से एक साल का ब्रेक लेंगी।

लखनऊ की लड़की की कहानी कहना चाहती हैं नुसरत भरूचा

प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी हिट फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा एक के बाद एक बेहतरीन काम किए जा रही हैं। लेकिन अभी भी उनका एक ऐसा ड्रीम रोल है जो वो करना चाहती हैं। साथ ही नुसरत ने बातचीत में हमें ये भी बताया कि वो किस तरह का पार्टनर चाहती हैं। प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और जनहित में जारी जैसी फिल्मों से नुसरत भरूचा ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग का परिचय दिया। अपने किरदार से पहले कहानी के बारे में सोचने वाली 'ड्रीम गर्ल' को अभी उनके सपनों का राजकुमार नहीं मिला है। उनका मानना है कि ऐसा नहीं है कि किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है।

किरदार के बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं

स्क्रिप्ट के चुनाव से पहले मैं कहानी और डायरेक्टर भी देखती हूं। अगर स्टोरी अच्छी हो और डायरेक्टर सही ना हो तो वो खराब हो जाती है। अगर डायरेक्टर अच्छा हो और कहानी ठीक-ठीक हो तो भी वह उसे बेहतरीन बना देता है। इस वजह से मैं इन दोनों चीजों पर खासा ध्यान देती हूं। मैं यही मानती हूं कि आप जो करने आए हैं, उसे ईमानदारी के साथ निभाइए। जो भी काम मेरे पास आ रहा है, सबसे पहले मुझे अच्छा लगना चाहिए। फिर मैंने अगर तय कर लिया कि मुझे फिल्म करनी है तो मैं किसी के बारे में नहीं सोचती। मैं अपने किरदार की बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं।

लोग भूल जाएं तो नया रास्ता चुन लें

हम ऐक्टर्स भी भावुक होते हैं। ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ पर्दे पर ही इमोशन दिखाते हैं। कोई भी फिल्म बनाने में बहुत मेहनत लगती है। आपकी जिंदगी में कुछ असल में होता है तो इमोशन आते हैं, जबकि पर्दे पर हमें वह इमोशन क्रिएट होता है, जो कि मुश्किल है। उसके बाद अगर आपकी फिल्म को लोग नाकार देते हैं, पसंद नहीं आती या बॉयकॉट हो जाती है तो काफी दुख होता है। शायद, ऐसा कुछ है, जो हमें बदलना चाहिए। इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इतने समय में मैंने जो एक चीज सीखी है कि आप आज हो तो कल गायब भी हो सकते हो। लोगों का प्यार आज आपके पास है, कल हो सकता है वो आपको भूल जाएं।

मेरा किसी से अफेयर नहीं चल रहा

बॉलीवुड रीमेक पर निर्भर होता जा रहा है। इस पर नुसरत ने कहा कि फिल्मों में ऐसा ट्रेंड आता ही है। जैसे अगर कोई फिल्म चल गई तो पांच-दस प्रोड्यूसर वैसी ही फिल्में बनाने में लग जाएंगे। एक रीमेक चल गई तो सबने सोचा कि वैसी ही फिल्में बनानी चाहिए। ऐसा नहीं है कि आप किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है। अदाकारा ने अपने अफेयर की चर्चाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरा अभी किसी से अफेयर नहीं चल रहा है।

कोरोना के समय ओटीटी ने ही बचाया था

ओटीटी से फिल्मों को खूब चुनौती मिल रही है। ये इतनी बड़ी परेशानी हो गई है, जिसे हम अभी समझ ही नहीं पा रहे लेकिन अभी इसका हल किसी को नहीं पता। कोरोना के समय में हमें बचाया भी ओटीटी ने ही था क्योंकि उस समय इसी प्लैटफॉर्म पर ही लोगों ने घर बैठे सिनेमा देखा। अब ओटीटी की जो ऑडियंस बन गई है, उसे अब मिटा तो नहीं सकते। अब ये संतुलन कैसे बनेगा कि ओटीटी भी चलता रहे और दर्शक सिनेमाघर भी आएं तो इस बारे में जरूर विचार करना होगा।

इत्मिनान से इमामबाड़ा घूमना है

लखनऊ की भाषा, अदा और नजाकत पर मैं फिदा हूं। यहां लोग खुशमिजाज है और दिल खोलकर खाते हैं। लखनवी चिकन शहरवालों की खूबसूरती को निखारता है। मैं इमामबाड़े में इत्मीनान से घूमना चाहती हूं। हालांकि, पिछली बार जब मैं यहां आई तो मास्क लगाकर वहां गई थी। शहर का खाना भी बहुत स्वादिष्ट है। लखनऊ में मैंने पहले 'अजीब दास्तां' की शूटिंग की थी। मैं चाहती हूं कि कोई लखनऊ की लड़की की कहानी लिखे तो मैं फिर यहां आकर शूटिंग करूं। जैसे मैंने भोपाल में कई फिल्में शूट की हैं क्योंकि उनकी कहानी वहां की पृष्ठभूमि पर थीं।

इस वजह से परेश रावल ने अक्षय कुमार की ओएमजी 2 से किया किनारा

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। ओएमजी 2 में अक्षय भोलेबावा के अवतार में नजर आएंगे। फिल्म का टीजर देखने के बाद फैंस ने एक्टर परेश रावल को काफी याद किया और सबके मन में यही सवाल है कि आखिर क्यों परेश ओह माय गॉड 2 में नहीं हैं। तो परेश रावल ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म का हिस्सा न बनने को लेकर वजह बताई थी।

उर्फी जावेद ने कुरकुरे खाने का तरीका बताया

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपना नया वीडियो शेयर किया है, जो सुर्खियों में छाया हुआ है। उन्होंने कुरकुरे खाने से पहले कुछ ऐसा किया, जिसे देख लोगों का माथा ठनक गया। दरअसल, वो कुरकुरे को धोकर खाती नजर आई। ये देख सब चौंक गए। उर्फी ने ये भी कहा कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है। उर्फी जावेद अजीबोगरीब फैशन के लिए जानी जाती हैं। वो आए दिन अपने आउटफिट्स को लेकर एक्सपेरिमेंट करती हैं। कभी वो बैग से ड्रेस बनाकर पहन लेती हैं तो कभी बालों से ही खुद को ढक लेती हैं। अपनी यूनीक ड्रेसेज की वजह से वो आलोचना का भी शिकार होती हैं। खैर। इस बार वो ड्रेस नहीं, बल्कि किसी और चीज के लिए चर्चा में हैं। उनका वीडियो देखने के बाद पहले लोगों को लगा कि वो कोई ड्रेस बनाने वाली हैं, लेकिन फिर उन्होंने ऐसा काम कर दिया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वो किचन एरिया में खड़ी नजर आती हैं। उनके हाथ में एक स्टेनर होता है। वो कुरकुरे को उसमें डालती हैं और फिर नल के नीचे ले जाकर पानी से धो देती हैं। उर्फी बताती हैं कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है।

हेरा फेरी 3 के अलावा इन दो फिल्मों के सीक्वल से जुड़े सुनील

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी जल्द ही अपनी बेहतरीन कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी की अगली किस्त हेरा फेरी 3 में नजर आने वाले हैं। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म के अलावा सुनील की आवारा पागल दीवाना के सीक्वल और अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम की तीसरी किस्त के भी लौटने की संभावना है। इन फिल्मों से जुड़े हर एक अपडेट पर फैंस अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। वहीं, इन मूवी को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 में एक क्रॉसओवर होगा, इस खबर मात्र ने ही फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। पहले एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने केवल हेरा फेरी 3 बल्कि दो और कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी के लिए भी साथ आ रहे हैं, जिनमें आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 शामिल है। वहीं, अब इन खबरों पर खुद सुनील शेट्टी ने चुप्पी तोड़ते हुए पक्की मुहर लगा दी है। हालिया इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने पुष्टि की कि वह आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 के साथ लौट रहे हैं, जहां वह जॉनी लीवर के जरिए निभाई गई छोटा छत्री के साथ येडा अन्ना की अपनी भूमिका को दोहराएंगे। सुनील शेट्टी ने अपने किरदार और फिल्म के सीक्वल पर मुहर लगाते हुए कहा, आवारा पागल दीवाना सीक्वल की कहानी तय हो गई है, लेकिन वेलकम 3 पहले आ सकती है। मैं वेलकम 3 का भी हिस्सा हूं। हेरा फेरी 3, आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 इन तीनों ही फिल्मों को फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूस करने वाले हैं। वहीं, बीते दिन हेरा फेरी 3 से पीछे हटने का कारण बताते हुए अक्षय कुमार ने कहा था, हेरा फेरी मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मुझे भी दुख होता है कि इतने वर्ष से फिल्म नहीं बनी, लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि हमें कुछ अलग सोचना होगा। देखिए फिल्म की जो स्क्रिप्ट आई उससे मैं खुश नहीं था, इसलिए मैं पीछे हट गया।

बांग्लादेश बनाम भारत: बल्लेबाजों ने किया निराश, वर्षा प्रभावित मैच में 40 रन से हारी टीम इंडिया

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश से डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 रन से हार मिली। बांग्लादेश महिला टीम ने वनडे में पहली बार भारत को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई।

बांग्लादेश से मिले 153 रन के लक्ष्य के जवाब में भारत की शुरूआत खराब रही और टीम इससे उभरने में कामयाब नहीं हुई। बारिश के कारण मैच को 44 ओवर का कर दिया गया था लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरना और बड़ी साझेदारी ना होने की वजह से वर्षा प्रभावित मैच में भारतीय टीम 113 रन पर ढेर हो गई। बड़ी बात यह थी कि कोई भी खिलाड़ी 20 रन के आंकड़े को भी पार नहीं सकी जबकि ओपनिंग आर्डर पूरी तरह से विफल रहा। सबसे ज्यादा 20 रन दीप्ति शर्मा ने बनाए।

वहीं इससे पहले भारत की युवा तेज गेंदबाज अमनजौत कौर ने वनडे में पदार्पण पर 31 रन देकर चार विकेट हासिल किये जिससे बांग्लादेश की टीम रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 43 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। इस 23 साल की गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज मुर्शिदा खातून, फरगना हक, कप्तान निगार सुल्ताना और राबिया खान के विकेट झटके जिससे बांग्लादेश की टीम बारिश के कारण 44-44 ओवर के किए गए मैच में जूझती नजर आई। निगार सुल्ताना घरेलू टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने शेरे बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम में 39 रन की पारी खेलने के अलावा फरगना हक (27 रन) के साथ 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

बांग्लादेश की अंतिम बल्लेबाज शोर्ना अख्तर 44वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरी क्योंकि वह चोटिल थीं। इससे पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया।

अमनजोत और बायें हाथ की स्पिनर अनुषा बारेड्डी ने वनडे पदार्पण किया जबकि शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पूनिया ने 2021 के बाद पहली बार भारतीय टीम में वापसी की। बांग्लादेश के लिए शोर्ना अख्तर ने अपना वनडे पदार्पण किया।

लक्ष्य सेन अमरीकी ओपन से बाहर, सेमीफाइनल में फेंग से हारे

काउंसिल ब्लफ्स (अमरीकी) (एजेंसी)। भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अमरीकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीन के ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त सेन दूसरी वरीयता प्राप्त फेंग के खिलाफ 17-21, 24-22, 17-21 से हार गए। शनिवार की रात को खेला गया बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का यह मुकाबला एक घंटे 16 मिनट तक चला। विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी फेंग और 12वीं रैंकिंग के सेन के बीच यह मुकाबला काफी करीबी रहा।

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ी 17 अंकों तक बराबरी पर थे लेकिन के बाद चीन के खिलाड़ी ने आक्रामक रवैया दिखाया जबकि भारतीय खिलाड़ी ने कुछ गलतियां की। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेन ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की। पहले गेम की तरह दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियां की और 22 अंक तक दोनों बराबरी पर थे। लक्ष्य ने इसके बाद लगातार दो अंक बनाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरा और निर्णायक गेम पहले गेम की पुनरावृति था। फेंग ने शुरू में बढ़त बनाई और इंटरवल तक वह 11-8 से आगे थे। सेन ने हालांकि हार नहीं मानी और 17 अंकों तक स्वयं को मुकाबले में बनाए रखा। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दबाव बनाया तथा मैच अपनी झोली में डाला। सेन का फेंग के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 5-2 है। उन्होंने पिछले सप्ताह कनाडा ओपन में चीन के खिलाड़ी को 21-18, 22-20 से हराकर अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 खिताब जीता था।

पाक टीम को विश्वकप के लिए भारत दौरे पर जाना चाहिये: मिस्बाह

कराची (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा है कि उनके देश को एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम भारत भेजनी चाहिये। मिस्बाह ने कहा कि अगर नहीं नहीं होता तो ये प्रशंसकों के साथ भी अन्याय होगा। इससे लोगों को भारत-पाक के बीच होने वाला एक शानदार मुकाबला नहीं देखने को मिलेगा। इस पूर्व क्रिकेट ने कहा कि जब दोनो ही देश अन्य खेलों में एक दूसरे का सामना करते हैं तो क्रिकेट में क्यों नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि लोगों को खेल से वंचित करना ठीक नहीं है।

इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''यह उन प्रशंसकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा जो दोनो देशों के मुकाबले को बहुत पसंद करते हैं। गौरतब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में आईसीसी से कहा था कि भारत के साथ राजनीतिक तनाव को देखते हुए एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौरे का फैसला सरकार की मंजूरी के बिना नहीं लिया जा सकता है। भारत में विश्वकप इस साल अक्टूबर-नवंबर में खेला जाएगा।

मिस्बाह का मानना है कि अब समय आ गया है कि पाक को भारत जाना चाहिए और भारतीय टीम को भी मैच खेलने के लिए पाक का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, '' निश्चित तौर पर पाक और भारत को विश्व कप खेलना चाहिए। वैसे भी हमारी टीम भारतीय परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। वहीं पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का भी मानना है कि पाक को विश्व कप के लिए भारत जाना चाहिए।

विंबलडन 2023 में चेक की खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने रचा इतिहास, ओन्स जाबेउर को हराकर पहली बार जीता खिताब

विंबलडन(एजेंसी)। विंबलडन 2023 में महिला एकल के फाइनल मुकाबले में इतिहास रचते हुए चेक गणराज्य की 24 वर्षीय खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने खिताब हासिल किया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में 15 जुलाई को ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर को सीधे सेटों में हराया है। वोंद्रोसोवा खिताब जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग की और पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है।

मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 6-4 और 6-4 से ओन्स जाबेउर को शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा किया है। ये उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम है। इस जीत के साथ उन्होंने इतिहास भी रच दिया है। पिछले साल की उपविजेता और छठी वरीयता प्राप्त जाबेउर इस वर्ष भी खिताब हासिल करने से चूक गई। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा वर्ष 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी मगर तब वो खिताब नहीं जीत सकी थी।

वहीं इस बार विंबलडन 2023 की शुरुआत में ये किसी को अंदाजा नहीं था कि मार्केटा वोंद्रोसोवा खिताब पर कब्जा जमा लेंगी। वह खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब में नहीं आई थी।

लेकिन उनका यह दौरा यादगार बन गया और वह ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनकर घर लौटेगी। वोंद्रोसोवा ने मैच के बाद कहा, '' मैं वास्तव में नहीं जानती कि अभी क्या हो रहा है। यह शानदार एहसास है। मैं जिस दौर से गुजरी उसे देखते हुए यह वास्तव में शानदार है कि मैं यहां खड़ी हूं और मेरे हाथ में ट्रॉफी है।''

बता दें कि पिछले साल अप्रैल से अक्टूबर तक चोटिल होने के कारण वोंद्रोसोवा बाहर रही थी। इसका आलम ये रहा था कि वर्ष 2022 के अंत में उनकी रैंकिंग 99 पर पहुंच गई थी। वहीं चोटिल होने के कारण ही उन्होंने पिछले वर्ष विंबलडन में भाग नहीं लिया था। बाएं हाथ से खेलने वाली वोंद्रोसोवा की विश्व रैंकिंग 42 है और वह पिछले 60 वर्षों में विंबलडन में फाइनल में खेलने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनी थी। उनसे पहले यहां 1963 में फाइनल में पहुंचने वाली आखिरी गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बिली जीन किंग थी जो वेल्स की राजकुमारी केट के साथ रॉयल बॉक्स में उपस्थित थी। मैच के बाद किंग ने वोंद्रोसोवा को गले लगाया और कहा,'' पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी। मुझे बहुत अच्छा लगा।'' तेज हवा चलने के कारण सेंटर कोर्ट को छत से ढक दिया गया था जिसका वोंद्रोसोवा ने पूरा फायदा उठाया। उनके बाएं हाथ से लगाए गए शॉट अक्सर सही जगह पर गिरे। वोंद्रोसोवा दोनों सेट में पिछड़ रही थी लेकिन पहले सेट में उन्होंने लगातार चार अंक बनाकर जीत दर्ज की जबकि दूसरे सेट में अंतिम तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है।

भारत-पाक मैच के लिए अभी से होटल और उड़ानें हो रही बुक, किराये में भारी उछाल

अहमदाबाद। अक्टूबर में यहां एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अभी से होटलों और उड़ानों पर असर पड़ने लगा है। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा जिसमें अभी तीन माह बचे हैं पर अभी से ही बुकिंग हो गयी है। इसी कारण मैच से एक दिन पहले 14 अक्टूबर की हवाई यात्रा के टिकटों की कीमत में भारी तेजी आई है। यह उछाल दिल्ली-अहमदाबाद और मुंबई-अहमदाबाद रूट के बीच विशेष रुप से देखा जा रहा। बाजार जानकारों के अनुसार, जब से आईसीसी कार्यक्रम की घोषणा आधिकारिक तौर पर की गई है, एक रात के लिए होटल किराये में 5 गुना वृद्धि हुई है। लक्जरी होटल का किराया प्रति रात 50,000 रुपए तक पहुंच गया है। इसके साथ ही विमान के टिकट की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। तीन महीने पहले बुकिंग करने पर भी हवाई किराया सामान्य से छह गुना अधिक महंगा पड़ रहा है। आगे कहा गया, अगस्त और सितंबर में इकोनॉमी क्लास का दिल्ली-अहमदाबाद टिकट लगभग 3000 रुपए का होगा पर मैच से एक दिन पहले उसी टिकट की कीमत 20,000 रुपए होगी।

कुलदीप को टेस्ट में अवसर दिया जाये : कुंबले

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि कैरेबियाई पिचों पर चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर मिलना चाहिये। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनो ही पारियों में कुल 12 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कुलदीप में इस दौर में एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है पर वह टेस्ट टीम में नहीं हैं। अब देखना है कि कुंबले की मांग पर कब उन्हें चयनकर्ता टेस्ट टीम में जगह देते हैं। कुलदीप ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश की ओर से खेला था। इस पूर्व स्पिनर ने कहा कि टेस्ट में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिये, क्योंकि वह बहुत ही अच्छे स्तर का का स्पिनर हैं। एक लेग स्पिनर काफी आक्रामक होता है और हालात अगर कठिन हों तो उसे खेलना मुश्किल होता है। कुंबले ने साथ ही कहा कि लेग स्पिनर जरुर रन देते हैं पर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए साथ लेकर चलने की जरुरत होती है। ऐसे में जब भी अवसर मिले उन्हें टीम में शामिल करें। उन्होंने कहा कि टेस्ट प्रारूप के हिसाब से कुलदीप एक अच्छे स्पिनर हैं। उन्हें जब भी मौका मिला है उन्होंने अच्छा ही प्रदर्शन किया है। ऐसे में जिस प्रकार अन्य स्पिनरों को अवसर दिसे जा रहे हैं उसे भी देना चाहिये।

एशियाई चैंपियनशिप: पारूल चौधरी ने 5000 मीटर में रजत के साथ दूसरा पदक जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की लंबी दूरी की दिग्गज धाविका पारूल चौधरी ने रविवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक के साथ अपना दूसरा पदक जीता। शुक्रवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीतने वाली पारूल ने 5000 मीटर में 15 मिनट 52.35 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

जापान की युमा यामामोटो ने 15 मिनट 51.16 सेकेंड के समय से शीर्ष पर रहीं। पारूल के नाम पर 5000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है जो 15 मिनट 10.35 सेकेंड का है। अंकिता ने इसी स्पर्धा में 16 मिनट 3.33 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले किशन कुमार और केएम चंदा ने अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला 800 मीटर दौड़ में रजत पदक जीते। किशन एक मिनट 45.88 सेकेंड के समय के साथ कतर के अबुबाकर एच अब्दाला (एक मिनट 45.53 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में दो मिनट 1.58 सेकेंड का समय लिया। श्रीलंका की एमके दिसानायका दो मिनट 0.66 सेकेंड के समय के साथ शीर्ष पर रहीं। इससे पहले किशन का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक मिनट 46.17 सेकेंड जबकि चंदा का दो मिनट 1.58 सेकेंड था।

प्रियंका गोस्वामी और विकास सिंह ने भी क्रमश- महिलाओं और पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीते। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका ने महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल में एक घंटा 34 मिनट और 24 सेकेंड का समय लेकर चीन की यांग लिउजिंग (1:32:37) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। जापान की युकिको उमेनो ने 1:36:17 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

प्रियंका का सर्वश्रेष्ठ समय हालांकि एक घंटा 28 मिनट और 45 सेकेंड है। इस

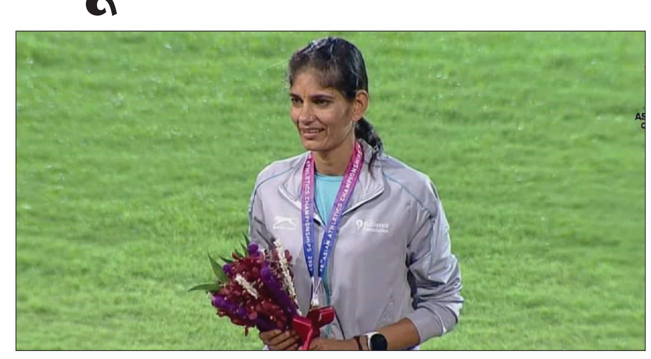

स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय भावना जाट एक घंटा, 38 मिनट और 26 सेकेंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में विकास ने एक घंटा, 29 मिनट और 32 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। जापान के युतारो मुरायामा (1:24:40) ने स्वर्ण पदक जबकि चीन के वांग काइहुआ (1:25:29) ने रजत पदक जीता। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह रेस पूरी नहीं कर पाए क्योंकि जजों ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। विकास का सर्वश्रेष्ठ समय एक घंटा 20 मिनट और पांच सेकेंड है। यह उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 10 किमी पैदल चाल में रजत पदक जीतने वाली प्रियंका और विकास 17 से 29 अगस्त तक हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

भारत की संगीता ने हंगरी रैंकिंग सीरीज में कांस्य जीता

बुडापेस्ट। भारतीय महिला पहलवान संगीता फोगाट को हंगरी रैंकिंग सीरीज कुश्ती प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर आने के साथ ही कांस्य पदक मिला है। संगीता ने बुडापेस्ट में आयोजित हंगरी रैंकिंग सीरीज कुश्ती चैंपियनशिप के 59 किग्रा वर्ग में हुए एक आसान से हंगरी की विक्टोरिया बोरसोस को आसानी से हरा दिया। संगीता ने तीसरे-चौथे स्थान के लिए हुए मैच में बोरसोस को निर्णय द्वारा जीत (वीपीओ1) में 6-2 से हराया। संगीता ने इस मुकाबले के दौरान ही टेकडाउन मूव के साथ बढ़त बना ली। वहीं हंगरी की पहलवान ने 2-2 से स्कोरबराबर कर लिया पर संगीत ने इसके बाद आक्रामक उग्र अपना कर मुकाबले पर दबदबा बना लिया। संगीता इस टूर्नामेंट में संयुक्त राज्य अमेरिका की जेनिफर पेज रोजर्स से मिली हार के बाद रेपेचेज राउंड के जरिये सेमीफाइनल में पहुंची थीं। यहां उन्होंने तीसरे दौर में एक अन्य अमेरिकी पहलवान ब्रेंडा ओलिविया रेयना को तकनीकी श्रेष्ठता (वीएसयू1) से 12-2 से हराकर वापसी की।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ किया करार, क्लब ने की पुष्टि

वाशिंगटन। अर्जेंटीना को फीफा वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी ने इंटर मियामी क्लब के साथ आधिकारिक करार कर लिया है। क्लब की नंबर 10 शर्ट पहने हुए 36 वर्षीय महान खिलाड़ी का एक वीडियो इंटर के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया गया। क्लब ने बाद में इसकी पुष्टि की कि दिसंबर 2025 तक मेसी इंटर मियामी क्लब के लिए ही खेलेंगे। मेसी ने कहा, 'मैं इंटर मियामी और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने करियर का अगला कदम शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक शानदार अवसर है और हम साथ मिलकर इस खूबसूरत सफर को जारी रखेंगे। विचार यह है कि हमने जो उद्देश्य निर्धारित किए हैं उन्हें हासिल करने के लिए मिलकर काम करें। मैं यहां अपनी नई टीम में खेलने के लिए बहुत उत्सुक हूं।' पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन स्टार 21 जुलाई को मैक्सिको के क्रूज अजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी के लिए पदार्पण करेंगे। जून में मेसी ने घोषणा की कि वह फ्लोरिडा संगठन में शामिल होने के लिए पीएसजी छोड़ रहे हैं, जिसका आंशिक स्वामित्व इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम के पास है। फॉरवर्ड ने तब से कहा है कि वह अपने करियर के आखिरी चरण का आनंद लेने के लिए उत्सुक हैं, उन्होंने पिछले दिसंबर में कतर में अर्जेंटीना के लिए फीफा विश्व कप जीतने का अपना अंतिम लक्ष्य हासिल कर लिया है। एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि दुनिया के महानतम खिलाड़ी ने इंटर मियामी और मेजर लीग सॉकर को चुना। उनका निर्णय हमारी लीग और उत्तरी अमेरिका में हमारे खेल के पीछे की गति और ऊर्जा का प्रमाण है।' मेसी मौजूदा समय में दुनिया के सबसे उम्दा फुटबाल खिलाड़ी माने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक दो बार विश्व कप गोल्डन बॉल विजेता, तीन बार यूईएफए पुरुष खिलाड़ी ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता है।

क्या भारतीय टीम के खिलाड़ी के रुप में गब्बर का कैरियर खत्म

-धवन को मिल रही किस बात की सजा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सेलेक्टर्स ने एशियन गेम्स 2023 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया, तब कई युवा खिलाड़ियों की किस्मत जाग उठी। रिंकू सिंह, प्रभसिमरन, जितेश शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों के घर में यकीनन खुशी का माहौल है। हालांकि, टीम के चयनकर्ताओं ने टीम चयन के साथ ही एक स्टार बल्लेबाज शिखर धवन के करियर पर ग्रहण भी लगा दिया है। माना जा रहा था कि गब्बर को इस टूर्नामेंट के लिए टीम की कप्तानी सौंपी जाएगी। हालांकि, कप्तानी छोड़िए धवन को टीम में जगह तक नहीं दी गई है। इसके बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या धवन के लिए टीम इंडिया के दरवाजे अब हमेशा के लिए बंद हो गए हैं?

पिछले साल जब टी-20 वर्ल्ड कप के लिए धवन को नजरअंदाज किया गया था, तब गब्बर का कहना था कि उनका फोकस 50 ओवर के वर्ल्ड कप पर है। हालांकि, सच्चाई यह है कि धवन को टी-20 की तरह ही वनडे टीम से भी लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया को तीन वनडे खेलने हैं, लेकिन उस टीम में गब्बर का दूर-दूर तक नाम शुमार नहीं है। इसके बाद धवन भारत की धरती पर होने वाले विश्व कप में टीम में शामिल होने वाले हैं, या नहीं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है।

दरअसल बीसीसीआई ने जब एशियन गेम्स 2023 में भारतीय टीम को भेजने का फैसला किया, तब बताया गया कि टूर्नामेंट में बी टीम शिरकत करेगी। तभी से ऐसी अटकलें थी कि एशियन गेम्स में शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। हालांकि, भारतीय सेलेक्टर्स ने सभी को हैरान कर रुतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान नियुक्त किया और गब्बर को टीम में जगह तक नहीं मिली।

जहां धवन का टीम में चयन ना होना यकीनन थोड़ा चौंकाने वाला है। गब्बर आखिरी बार टीम की जर्सी पहनकर साल 2022 में उतरे थे। वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर में धवन ने अपना आखिरी मैच खेला था। इस सीरीज में धवन का बल्ला खामोश रहा था और उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 18 रन बनाए थे। हालांकि, इस सीरीज में फ्लॉप होने के बाद धवन की वनडे टीम में वापसी नहीं हुई। 167 वनडे मैचों में 44.11 की औसत से 6,793 रन बनने वाले बाएं हाथ के इस खिलाड़ी का रिकॉर्ड इतना भी खराब नहीं है कि उन्हें अब मौके ही ना दिए जाए।

साल 2022 में धवन ने 22 वनडे मैच खेले थे और इस दौरान 34 की औसत से उनके बल्ले से 688 रन निकले थे, जिसमें छह अर्धशतक शामिल थे। वहीं, 2021 में गब्बर ने 59.40 की औसत से 297 रन बनाए थे। टी-20 टीम से धवन का नाता पहले ही टूट चुका है। एशियन गेम्स 2023 का फॉर्मेट भी फटाफट वाला है और शायद इस वजह से भी उन्हें टीम में नहीं रखा गया है। हालांकि, वनडे में बेमिसाल रिकॉर्ड होने के बावजूद धवन की अनदेखी थोड़ी चौंकाने वाली जरूर है।

हॉकी इंडिया ने राज्य इकाइयों से जिला स्तर पर नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा

नयी दिल्ली। हॉकी के विकास के लिए अपनी परियोजनाओं और नीतियों का अधिक प्रभावी तरीके से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हॉकी इंडिया अपने 'सदस्य इकाई पोर्टल' का विस्तार करेगा और इसमें जिला इकाईयों की जानकारी भी शामिल करेगा। पूर्व भारतीय कप्तान और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि उनका उद्देश्य सभी हिस्सों में सुशासन को बढ़ावा देना है। हॉकी इंडिया ने अपने सदस्य इकाइयों से जिला इकाइयों की कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए कहा है और इसे सदस्य यूनिट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं ताकि राष्ट्रीय संस्था इनकी प्रगति का पता कर सके। टिर्की ने रविवार को जारी बयान में कहा,''सदस्य इकाई पोर्टल में जिलों को शामिल करने का कदम जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के प्रति हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम खेल के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए भारत के सभी जिलों के बारे में जानकारी एकत्रित करें।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **.शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में नस्ली हमले बढ़ने से 80000 भारतीयों ने गन लाइसेंस लिए

न्ययार्क । भारतीयों के खिलाफ अमेरिका में नस्लीय हिंसा लगातार बढ़ रही है। अमेरिका में 80000 भारत वंशी ने गन लाइसेंस लिए हैं। पहले यह संख्या लगभग 40000 थी। पिछले वर्षों में नस्लीय हिंसा की घटनाओं को देखते हुए भारतवंशियों ने बड़े पैमाने पर गन लाइसेंस लेना शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के नेशनल फायर आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार गन लाइसेंस लेने वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर अब 120000 हो गई है। अमेरिका में भारतीय समुदाय को सबसे शांतिप्रिय समझा जाता है। इसके बाद भी उन्हें गन लाइसेंस लेने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

पिछले 2 साल में बढ़े नस्लीय हमले

अमेरिका में पिछले 2 सालों में नस्ली हमले बढ़ गए हैं। भारतीयों को आसान निशाना बनाया जा रहा है। यह मानकर लुटेरे लगातार हमला करते हैं। पिछले 6 महीनों में 12 भारतीयों पर हमले हो चुके हैं। कैलिफोर्निया और जॉर्जिया के स्टोर में सबसे ज्यादा हमले हो रहे हैं। इन घटनाओं को देखते हुए अमेरिका में भारतीयों के बीच दहशत बढ़ गई है। वह अपनी सुरक्षा के लिए अब गन लाइसेंस लेने का विकल्प इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या के मामले में पांच लोग दोषी साबित

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की हत्या के मामले में एक गिरोह के तीन पुरुष और दो महिला सदस्यों को दोषी पाया गया है। विशाल गोहेल (44) जनवरी में हर्टफोर्डशायर के बुशी में स्थित एक फ्लैट के भीतर अचेत अवस्था में मिले थे जिन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गोहेल के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। ब्रिटिश मीडिया में प्रकाशित अदालती रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को सेंट एल्बंस क्राउन कोर्ट में एक जूरी को बताया गया कि गिरोह ने जाल बिछाकर गोहेल को लूटने के इरादे से उन्हें 'हनीट्रैप' में फंसाया था। बेडफोर्डशायर, कैम्ब्रिजशायर और हर्टफोर्डशायर (बीसीएच) मेजर क्राइम यूनिट के अधिकारियों ने हत्या की जांच शुरू की और इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया। जांच का नेतृत्व करने वाले अधिकारी जस्टिन जेनकिंस ने कहा, इस बेहद कठिन समय में हम विशाल के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। विशेषज्ञ अधिकारी उनके परिवार की मदद कर रहे हैं और मैं अधिकारियों से उनकी गोपनीयता का सम्मान करने के लिए कहूंगा। इस मामले में दोषी पाए गए गिरोह के सभी पांच सदस्यों को 26 सितंबर को सेंट एल्बंस क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई जाएगी, जबकि इस मामले के छठे संदिग्ध (20) को हत्या और लूट की साजिश के आरोप से बरी कर दिया गया है।

जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को खारिज किया

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्माता जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को शनिवार को खारिज किया। टाइटैनिक जहाज के मलबे का दीदार करने के लिए टाइटन में सवार होकर गहरे समुद्र में उतरे पांच लोगों को 18 जून को इस पनडुब्बी में विस्फोट होने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी थी। कैमरून ने 1997 में टाइटैनिक जहाज के एक बर्फीली चट्टान से

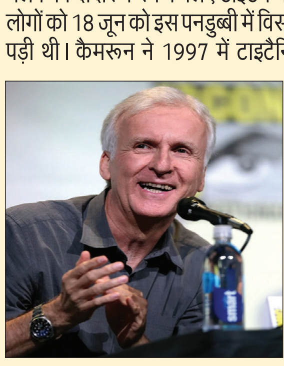

टकराने के बाद समुद्र में डूबने की घटना पर आधारित फिल्म 'टाइटैनिक' का निर्देशन किया था। उन्होंने टाइटन हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों की शनिवार को ट्विटर पर सार्वजनिक रूप से निंदा की। कैमरून ने लिखा, 卐मैं आमतौर पर मीडिया में प्रसारित आपत्तिजनक अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ रहा है। मैं टाइटन हादसे पर फिल्म बनाने के बारे में नहीं सोच रहा हूं और न ही मैं कभी ऐसा करूंगा।卐 कैमरून (68) ने हाल ही में एक अमेरिकी अखबार से बातचीत में कहा था कि वह टाइटन पनडुब्बी और टाइटैनिक जहाज से संबंधित हादसों में मौजूद 'समानताओं से चकित' हैं। पिछले महीने, अमेरिकी तटरक्षक बल ने कहा था कि टाइटन की खोज के दौरान मिला मलबा हादसे के शिकार हुए 'टाइटैनिक जहाज के मलबे से मेल खाता है।' टाइटन में हुए विस्फोट में पनडुब्बी की मलिकाना हक वाली कंपनी ओशनगेट एक्सपीडिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टॉकटन रश, शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान दाऊद तथा हामिश हार्डिंग और पॉल-हेनरी नार्जियोलेट मारे गए थे।

कटी हुई उंगलियों का पार्सल पहुंचा फ्रांसीसी राष्ट्रपति के पास, डराने की कोशिश

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के आधिकारिक आवास पर कटी हुई उंगलियों का एक पार्सल पहुंचा है। इससे कहा जा रहा है कि किसी ने उन्हें डराने की कोशिश की है। मिली जानकारी के अनुसार के आवास पर एक पार्सल रिसीव किया गया, जिसमें कटी हुईं मानव उंगलियां थीं। पेरिस के प्रॉसिक्यूटर कार्यालय के से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में पुलिस जांच शुरू कर दी गई है। पेरिस अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि उंगली का एक टुकड़ा, ऐसा लगता है कि यह एक उंगली का टिप है, एलिसी पैलेस को पार्सल किया गया था। पुलिस ने सोमवार को एक निर्वाचित नेता को धमकाने या डराने का अपराध' करने के मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पैकेट में मिलीं उंगलियां पार्सल भेजने वाले की ही थीं, जो मनोरोग से पीड़ित है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के लिए काम करने वाले कर्मचारियों ने सप्ताह की शुरुआत में इस भयानक घटना की सूचना दी थी। हालांकि फ्रेंच प्रेसिडेंशियल रेजिडेंस एलिसी पैलेस ने अभी तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि एलिसी पैलेस पेरिस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन का आधिकारिक घर है, जो 2017 से यहां रह रहे हैं। उस दौरान फ्रांस की राजधानी पेरिस समेत कई अन्य शहरों में उग्र प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने आगजनी और तोड़फोड़ भी की। हफ्तों तक, प्रदर्शनकारी तख्तियां लिए रहे जिन पर लिखा था, 'पुलिस ने मार डाला'। प्रदर्शनकारियों ने सैकड़ों सरकारी इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया, जबकि दंगा पुलिस अधिकारियों की प्रदर्शनकारियों के साथ जमकर झड़प हुई। इस अशांति ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को दुखी किया। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में विभाजन को पाटने और देश को एकजुट करने के प्रयास में मंत्रियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने उग्र प्रदर्शनों को कम करने में मदद करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का भी आह्वान किया।

मछली की आंतों में फंसा हुआ मिला खजाना.....कीमत करीब 44 करोड़

सैन फ्रांसिस्को । अगर इंसान की किस्मत अच्छी हो, तब कुदरत उसके लिए न जाने कौन-कौन से रास्ते से खुशियां ले आती है। बस आपका वक्त अच्छा हो, तब आपको ऐसी-ऐसी चीजें मिल जाती हैं, जो दुनिया में दुर्लभ कही जाती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ स्पेन में वैज्ञानिकों के एक ग्रुप के साथ, जिन्हें समंदर के किनारे मृत व्हेल की अंतड़ियों से कुछ ऐसा मिल गया, जिसने उन्हें हक्का-बक्का कर दिया। एंटोनियो फर्नांडीज रोड्रिग्ज ने जब मरी हुई व्हेल के शव का परीक्षण किया, तब उन्हें पता चला कि वहां डाइजेशन में दिक्कत होने की वजह से मरी है। इसके बाद उन्होंने उसका पेट फाड़कर अंदर देखना चाहा, तब उन्हें मछली की आंतों में फंसा हुआ ऐसा खजाना मिला, जो रातोंरात किसी को भी करोड़पति बना सकता है। रोड्रिग्ज को मछली की आंतों में फंसा 9.5 किलोग्राम का एक स्लेटी रंग का पत्थर मिला। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि ये पत्थर एम्बरग्रीस था, जिसकी कीमत बाजार में 5.4 मिलियन यानि 44 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो सकती है। चूंकि ये पत्थर किसी आम आदमी या मछुआरे को नहीं बल्कि वैज्ञानिकों को मिला है, इसके बाद अब इसके लिए खरीदार की तलाश जारी है। संस्थान ने बताया है कि इससे मिले हुए पैसे को 2021 में ला पाल्मा पर फटे वॉल्कैनो के पीड़ितों की मदद में लगाया जाएगा। दरअसल एम्बरग्रीस कहीं बाहर से नहीं आता है, बल्कि ये व्हेल मछली की ही उल्टी होती है। ये ठोस मोम जैसा पदार्थ होता है, जो समंदर में तैरता पाया जाता है। ये जिसके भी हाथ लगता है, वहां झट से अमीर बन जाता है। दरअसल व्हेल स्क्विड और कटलफिश खाती हैं, जिनका ज्यादातर भाग उनसे पच नहीं पाता और उल्टी के तौर पर बाहर आता है।

बुडापेस्ट में एलजीबीटी समुदाय के लोगों ने तेज गरमी के बीच भी रैली निकाली।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे बोले- यूएस डॉलर की तरह हो भारतीय रुपए का इस्तेमाल

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा से पूर्व कहा है कि वह भारतीय रुपए का अमेरिकी डॉलर जैसा ही उपयोग होते देखना चाहते हैं। विक्रमसिंघे आर्थिक संकट का सामना कर रहे इस देश के वित्त मंत्री भी हैं और उन्होंने यह बात 'भारतीय सीईओ फोरम' को इस सप्ताह संबोधित करते हुई कही। उन्होंने कहा, ''जापान, कोरिया और चीन सहित पश्चिम एशिया ने जिस तर 75 वर्ष पहले अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि की, उसी तरह अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बारी है।' विक्रमसिंघे का अगले सप्ताह नयी दिल्ली आने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति बनने के बाद यह भारत की उनकी पहली यात्रा होगी। सीईओ फोरम के अध्यक्ष टी एस प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा था कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में भरतीय रुपए का उपयोग बढ़ना चाहिए। विक्रमसिंघे ने कहा, 'अगर भारत (भारतीय रुपये) एक साझा मुद्रा बने तो हमें इससे कोई परेशानी नहीं है। हमें यह पता करना चाहिए कि यह कैसे किया जा सकता है। हमें बाहरी दुनिया के लिए और खुला होना चाहिए।' उन्होंने कहा, '' दुनिया बदल रही है और भारत में तेजी से विकास हो रहा है, खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में।' समाचार पत्र 'डेली मिरर' ने अपनी एक खबर में उनके हवाले से कहा कि राष्ट्रपति के अनुसार श्रीलंका को भारत से नजदीकी रखने के कारण फायदा होता है। विक्रमसिंघे देश को आर्थिक संकट से निकालने की कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है।

मूसलाधार बारिश से दक्षिण कोरिया में 21 लोगों की मौत, हजारों लोग हुए बेघर

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में इन दिनों भारी बारिश का दौर चल रहा है। यहां भूस्खलन व बारिश के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुरक्षा कार्य में जुटे हुए अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अभी भी 10 लोग लापता हैं और नौ अन्य घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। सबसे ज्यादा मौतें दक्षिण-पूर्वी प्रांत उत्तरी ग्योंगसांग से हुईं, जहां भूस्खलन और मकान ढहने से 16 लोगों की मौत हो गई। हालांकि अभी मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सरकारी एजेंसियां देशभर में हुई क्षति का आकलन कर रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार गोएसन बांध के ओवरफ्लो होने के कारण केंद्रीय काउंटी गोएसन के लगभग 6,400 निवासियों को निकाला गया है। बांध के पास स्थित कई निचले गांवों में जलभराव हो गया और गांवों को जोड़ने वाली सड़कें और पुल टूट गए, जिससे कुछ निवासी अपने घरों में ही फंस गए।

यहां भारी बारिश जारी रहने के कारण 13 शहरों और काउंटियों में 1,002 घरों के कुल 1,567 लोगों ने शनिवार सुबह तक अस्थायी आश्रय की मांग की थी। इनमें से 1,114 लोग सुरक्षा चिंताओं के कारण घर नहीं लौट सके। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के इकतीस मामले सामने आए, जिनमें 10 भूस्खलन और छह सड़कें नष्ट होने के

मामले शामिल हैं। जबकि, निजी संपत्ति को नुकसान के 71 मामले सामने आए, जिनमें 22 बाढ़ वाले घर भी शामिल हैं। देश भर के 13 शहरों और काउंटी में बिजली ब्लैकआउट की सूचना मिली। अधिकांश स्थानों पर बिजली बहाल कर दी गई है, उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के मुंगयोंग, येओंगजू और येचिओन में 8,300 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं है। बाढ़ से फसलों को नुकसान पहुंचा है और सड़कें भी बह गईं। राष्ट्रव्यापी, 97 सड़कें बंद हैं, जबकि 19 राष्ट्रीय उद्यानों में 384 रास्ते बंद हैं।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने पीएम मोदी की तारीफों के बांधे पुल, पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' व इसरो द्वारा अपना चंद्रयान-3 मून मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद पूरी दुनिया में भारत की चर्चा हो रही है। वहीं पाकिस्तान में भी इन दिनों खुशी का माहौल है जिसकी वजह कोई स्पेस मिशन या सम्मान नहीं ढ्ढस्न से पाकिस्तान के लिए 3 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज को मिली मंजूरी है। भारत की उपलब्धियों पर अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी एक्सपर्ट व बिजनेसमैन साजिद तरार ने जहां पीएम मोदी की जमकर तारीफ की वहीं पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई है।

पत्रकार आरजू काज़मी के साथ बातचीत में दोनों देशों के इस अंतर पर खुलकर बात करते हुए साजिद तरार ने कहा, 'नरेंद्र मोदी ने भारत को सबसे बड़ा तोहफा राष्ट्रवाद का दिया है जो पाकिस्तान में बिल्कुल नहीं है। कम से कम उनकी तरक्की से राष्ट्रवाद ही सीख लें। अगर आप कोई अविष्कार करने की काबिलियत नहीं रखते हैं तो नकल करने में कोई हर्ज नहीं है। अगर आपको भारत और मोदी के नाम से शर्म आती है तो बांग्लादेश की कॉपी कर लें।' उन्होंने कहा, 'मैं मोदी या भारत की बात इसलिए करता हूं क्योंकि वे हमारे पड़ोसी हैं। शायद उनका असर हम पर भी हो जाएं।'

अदाणी ग्रुप ने बांग्लादेश को बिजली देना शुरू किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ढाका (ईएमएस)। अदाणी ग्रुप ने बांग्लादेश को बिजली देना शुरू कर दिया है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के पूरे लोड के साथ शुरुआत होने और इसके हैंडओवर के अवसर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की।

गौतम अदाणी ने ट्वीट किया- '1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के फुल लोड के साथ प्रारंभ होने और हैंडओवर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सेल्यूट करता हूं जिन्होंने कोविड के दौर का सामना करते हुए साढ़े तीन साल के रिकॉर्ड समय में संयंत्र को चालू किया।

अदाणी पावर ने एक डेडिकेटेड ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड को उत्पादित बिजली की आपूर्ति के लिए झारखंड के गोड्डा में 1,600 मेगावाट की क्षमता का थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया गया है।

अदाणी पावर ने जून में कहा था कि उसका गोड्डा प्लांट पूरी तरह से चालू हो गया है। अदाणी पावर लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदाणी पावर झारखंड लिमिटेड ने 26 जून को झारखंड के गोड्डा जिले में अपने 2 * 800 मेगावाट के गोड्डा अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की दूसरी यूनिट के कामर्शियल ऑपरेशन का लक्ष्य तय तारीख में हासिल कर लिया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में यह बात कही।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गोड्डा बिजली संयंत्र की दूसरी यूनिट के रियालबिलिटी रन रेस्ट सहित कामर्शियल आपरेशन टेस्ट बीपीडीबी और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ बांग्लादेश के अधिकारियों की मौजूदगी में 25 जून को पूरा किया गया था।

बिजली संयंत्र की 800 मेगावाट क्षमता वाली पहली इकाई ने इस साल अप्रैल में अपना सीओडी हासिल किया था। कंपनी ने कहा था कि गोड्डा यूएससीटीपीपी से बांग्लादेश के ग्रिड को बिजली आपूर्ति से बांग्लादेश में ऊर्जा सुरक्षा और बढ़ेगी।

गौतम अदाणी ने पिछले साल सितंबर में भारत यात्रा के दौरान बांग्लादेश की प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी।

भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना को फिर से शुरू करने की कोशिश : जयशंकर

बैंकॉक (एजेंसी)। । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि म्यांमा की स्थिति के कारण भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बहुत कठिन परियोजना रही है और इसे फिर से शुरू करने के तरीके ढूंढना सरकार की प्राथमिकता है। जयशंकर मेकोंग गंगा सहयोग (एमजीसी) तंत्र के विदेश मंत्रियों की 12वीं बैठक में भाग लेने और बिम्सटेक (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के विदेश मंत्रियों की सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। जयशंकर ने यहां बैंकॉक पहुंचने के तुरंत बाद भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए थाईलैंड और भारत के बीच कनेक्टिविटी (संपर्क) के बारे में बात की।

जयशंकर ने कहा, ''आज हमारे सामने असल चुनौती, जिस पर हम काम कर रहे हैं, वह यह है कि हम थाईलैंड के बीच सड़क संपर्क कैसे बनाएं। हमारे पास पूर्वोत्तर भारत से होकर गुजरने वाली यह परियोजना है, यदि हम म्यांमा से गुजरने वाली एक सड़क बनाते हैं और वह सड़क थाईलैंड की ओर से बनाई जाने वाली सड़क से जुड़ती है।'' उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से माल की आवाजाही, लोगों की आवाजाही में भारी बदलाव आएगा। विदेश मंत्री ने कहा, '' लेकिन, यह

बहुत कठिन परियोजना रही है। मुख्य रूप से म्यांमा की स्थिति के कारण यह एक बहुत ही कठिन परियोजना रही है।

यह आज हमारी प्राथमिकताओं में से एक है कि इस परियोजना को कैसे फिर से शुरू किया जाए, इसे कैसे चालू किया जाए और इसे कैसे बनाया जाए क्योंकि परियोजना के बड़े हिस्से का निर्माण किया जा चुका है।'' गौरतलब है कि भारत, थाईलैंड और म्यांमा लगभग 1,400 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर काम कर रहे हैं, जो तीनों देशों को जमीन के जरिए दक्षिण-पूर्वी एशिया से जोड़ेगा और तीनों देशों के बीच व्यापार, कारोबार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना का 70 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है।

कोसोवो संसद में हाथापाई, विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री पर किया हमला

इंटरनेशनल डेस्क : यूरोपीय देश कोसोवो की संसद में हाथापाई हंगामे का वीडियो सामनवे आया है । वीडियो में देखा जा सकता है कि भाषण के दौरान विपक्षी सांसद ने प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती पर पानी फेंक दिया। दरअसल, क्कक्रकुर्ती देश के उत्तरी हिस्से में जातीय सर्बों के साथ तनाव कम करने के लिए सरकार की तरफ से किए जा रहे उपायों के बारे में बता रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार संसद में भाषण के दौरान कोसोवो की डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद मर्गिम लुश्ताकु उनके पास गए और पानी मुंह पर पानी फेंक दिया जिससे विवाद शुरू हो गया।

सीमा हैदर को लेकर पाक पुलिस को भी शक, बोली- मामला इतना सीधा नहीं जितना दिख रहा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूच की रहने वाली महिला सीमा गुलाम हैदर जो चार बच्चों के साथ चोरी-छिपे भारत चली गई, का उसके परिवार और पड़ोसियों ने बहिष्कार कर दिया है। वह भारत में, एक हिंदू व्यक्ति के साथ रहने गई है, जिससे एक ऑनलाइन गेम के दौरान उसकी दोस्ती हुई थी। सीमा और सचिन मीणा 2019 में पबजी खेलने के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए और इसके बाद दो चिर-प्रतिद्वंद्वी देशों में 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रह रहे इन दोनों के बीच एक नाटकीय प्रेम कहानी शुरू हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, सीमा (30) और सचिन (22) दिल्ली के समीप ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रहते हैं, जहां सचिन किराने की दुकान चलाता है। सीमा को बिना वीजा के नेपाल के जरिए अपने चार बच्चों के साथ अवैध तरीके से भारत में घुसने को लेकर चार जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि सचिन को अवैध शरणार्थी को पनाह देने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। हाल में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया।

सीमा के कई झूठ आए सामने

सीमा के बच्चों की उम्र सात साल से कम है। सीमा के पड़ोसियों और एक रिश्तेदार ने कहा कि वे चाहते हैं कि सीमा पाकिस्तान न लौटे। सीमा भारत आने से पहले अपने बच्चों के साथ पिछले तीन साल से पाकिस्तान में किराये के एक मकान में रह रही थी। उसके मकान मालिक के 16 वर्षीय बेटे ने कहा, ''उसे अपने बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजना चाहिए। वह वहां रह सकती है। अब वह मुस्लिम भी नहीं रही।%% उसका घर गुलिस्तां-ए-जौहर में कच्ची आबादी के भिट्टैयाबाद में है जो एक संकरी गली में स्थित है और तीन कमरों के मकान में कोई रंग-रोगन नहीं है। यह बात भी झूठी साबित हुई है कि सऊदी अरब में काम करने वाले उसके पति गुलाम हैदर ने 12 लाख रुपये में यह घर उसके लिए खरीदा था। मकान मालिक के बेटे नूर मुहम्मद ने कहा, ''नहीं, वह तीन साल से अपने बच्चों के साथ हमारे यहां किराये पर रह रही थी। वह अपने बच्चों के साथ अकेले रहती थी। उसके ससुर यहां से कुछ दूरी पर रहते हैं।' सीमा और गुलाम हैदर 10 साल पहले भागकर कराची आ गए थे और उन्होंने अपने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर निकाह कर लिया था।

पड़ोसी-रिश्तेदार कह रहे ऐसी बातें

सीमा के पड़ोसी जमाल जखरानी ने कहा, ''हमने उसे टैक्सी बुलाते और एक दिन अपने बच्चों तथा कुछ बैग के साथ जाते हुए देखा था। हमें लगा कि वह जकोबाबाद में अपने गांव जा रही है लेकिन करीब एक महीने बाद जब हमने उसकी हरकत के बारे में टीवी चैनल पर खबर देखी तो हम दंग रह गए।' इस संकरी गली में महिलाओं से बात करने की कोशिशें नाकाम हो गयी क्योंकि इस इलाके में ज्यादातर ग्रामीण इलाकों के पश्तून, सिंधी और सराइकी लोग रहते हैं और महिलाओं को अजनबियों से बात करने की अनुमति नहीं दी जाती। जमाल भी उसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं जिससे सीमा और हैदर का संबंध है और उनका मानना है कि अब अच्छा होगा कि सीमा भारत में ही रहे। जमाल ने कहा, ''अगर वह कभी वापस आने का सोचती भी है तो बिरादरी के लोग उसे माफ नहीं करेंगे और दूसरी बात यह कि एक हिंदू के साथ रहने के उसके फैसले से सभी खफा हैं।'

6 राज्यों में 60 फ़ीसदी से ज्यादा विधायकों पर अपराधिक मुकदमे

नई दिल्ली । एडीआर ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 28 राज्य की विधान सभाओं और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 4001 विधायकों के विवरण का विश्लेषण किया गया है। इस विश्लेषण में उजागर हुआ है, कि 6 राज्यों जिनमें सर्वाधिक अपराधी विधायक हैं। 70 फ़ीसदी केरल में बिहार के 67 फ़ीसदी, दिल्ली के 63 फ़ीसदी,महाराष्ट्र के 62 फ़ीसदी, तेलंगाना के 61 फ़ीसदी और तमिलनाडु के 60 फ़ीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भी स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं है। यहां पर भी 44 फ़ीसदी औसतन विधायक अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। 4001 विधायकों में से 1777 विधायकों के ऊपर अपराधिक प्रकरण न्यायालयों में चल रहे हैं। अपराधिक प्रवृत्ति के इन विधायकों की संपत्ति भी करोड़ों रुपयों की है। औसतन संपत्ति 16 । 36 करोड़ रुपए प्रति विधायक है। जबकि बिना अपराधिक मामले वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपए है। विधायकों की संपत्ति के मामले में आंध्र प्रदेश के विधायक सबसे ज्यादा धनी है। यहां पर 28.24 करोड़ रुपए और महाराष्ट्र के विधायकों का 23.51 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश भर के विधायकों में सबसे आगे हैं। 4001 विधायकों में 88 विधायक अरबपति हैं। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि 28 फ़ीसदी विधायकों के ऊपर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिसमें हत्या, हत्या के प्रयास,अपहरण और महिलाओं से संबंधित यौन अपराध शामिल हैं। यही विधायक सदन में जनता के भाग्य का निर्णय करते हैं। टैक्स बढ़ाने से लेकर जनता के लिए जो भी कानून बनाए जाते हैं। इतने बड़े पैमाने पर अपराधिक प्रकरण के निर्वाचित प्रतिनिधि होने पर चिंता होना स्वाभाविक है।

1600 लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान कर विश्व रिकॉर्ड बनाया, एलिजाबेथ ने

नई दिल्ली । अमेरिका के ओरगन प्रांत में रहने वाली एलिजाबेथ एंडरसन सियरा ने विश्व कीर्तिमान रच दिया है। दो बच्चों की मां सियरा ने 20 फरवरी 2015 से लेकर 20 जून 2018 तक 1599 168 लीटर ब्रेस्ट मिल्क स्थानीय मिल्क बैंक को दान किया है। जिसके कारण हजारों बच्चों का पोषण हुआ है। कई बच्चों की जान भी बचाई गई है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से जारी वीडियो को 16 लाख से अधिक लोगों द्वारा देखा गया है। सियरा को हाइपर लेक्टेशन सिंड्रोम की बीमारी है। इस बीमारी में जल्दी-जल्दी दूध बनता है। यदि इसे बाहर नहीं निकाला जाए,तो दूध स्तन से बहने लगता है। सियरा के शरीर में बड़ी मात्रा में प्रॉलेक्टिन नामक हार्मोन बनता है। जो दूध की मात्रा को बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण होता है। इस दूध का उपयोग सियरा ने मासूम बच्चों की जान बचाने और उन्हें पोषण आहार के रूप में देकर, एक नया इतिहास रचा है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने किया सीनियर अफसर पर हमला

नई दिल्ली । विमान यात्री के असभ्य व्यवहार की एक और घटना सामने आई है। हाल में सिडनी से दिल्ली के लिए रवाना विमान में सवार यात्री ने एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी से गाली-गलौच की और उन पर हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब सीट की खराबी के कारण बिजनेस क्लास से इकोनॉमी क्लास में डाउनग्रेड किए गए एयर इंडिया के अधिकारी ने अपने सह-यात्री को उसकी ऊंची आवाज के कारण टोकने की कोशिश की। एयर इंडिया के अधिकारी को 30-सी सीट आवंटित थी, लेकिन वहां अन्य यात्री थे इसलिए उन्होंने सीट बदलने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्हें 25 एबीसी सीट दी गई। सूत्र ने आरोप लगाया कि एआई के अधिकारी ने अपने सहयात्री को उसकी ऊंची आवाज को लेकर टोकना शुरू किया लेकिन उनके बगल में बैठे यात्री ने उन्हें थप्पड़ मार दिया और उनका सिर मरोड़कर उनके साथ गाली-गलौच की।

पालघर में बैठकर कनाडाई नागरिकों से ठगी, फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाला गिरोह धराया

मुंबई। मुंबई से सटे पालघर जिला में पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर के जरिए कनाडा के नागरिकों से ठगी करने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार किया है. यह बड़ा रैकेट पालघर के वाडा तालुका से चल रहा था। यह फर्जी कॉल सेंटर मेंगाविला नामक बिल्डिंग में बनाया गया था। ठाणे पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए करीब 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें इमारत के फ्लैट के दो मालिकों के साथ-साथ 23 लोगों का एक गिरोह भी शामिल है। यह अनधिकृत कॉल सेंटर मेंगाविला नामक इमारत के छह फ्लैटों में चलाया जा रहा था। कॉल सेंटर पर आरोपी अवैध रूप से कनाडाई नागरिकों के मोबाइल नंबर, नाम, पता जैसी जानकारी हासिल कर रहे थे। इसके बाद वह इन नागरिकों को फोन करके कहता था कि वह अमेजन से बोल रहा है। वे उन सामानों की डिलीवरी के बारे में जानकारी देते थे जिनका नागरिकों ने ऑर्डर नहीं किया था। गिरोह के लोग नागरिकों को पता बताकर उनका विश्वास हासिल करते और जब नागरिक कहते थे कि उन्होंने कुछ भी ऑर्डर नहीं किया है, तब उनसे ऑर्डर रद्द करने के लिए 1 बटन दबाने के लिए कहते। जैसे ही 1 बटन दबाया जाता था कॉल उसके ग्रुप के दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर हो जाती थी। इसमें अमेज़ॅन के अधिकारी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को कानूनी कार्रवाई की धमकी देते थे। इसके बाद ऑर्डर रद्द करने के लिए इन नागरिकों से बिटकॉइन के जरिए कुछ रकम निकाली जाती थी. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी एक्स लाइट, आईबीम और एक्स-टेन जैसे कई ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके जरिए उन्हें कनाडा के नागरिकों की जानकारी मिलती है। साथ ही, उन्हें नागरिकों को धमकाने के लिए एक विशिष्ट स्क्रिप्ट भी दी गई थी। उसकी आवाज न पहचानी जा सके इसके लिए आरोपी रोबोटिक वॉयस जनरेटिंग ऐप्स की मदद ले रहे थे। पुलिस ने संभावना जताई है कि इस रैकेट में चार और लोग शामिल हैं. इन चारों की तलाश जारी है. बहरहाल वाडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है.

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 6 कांवड़ियों की मौत, मची अफरा-तफरी

मेरठ । हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मेरठ में शनिवार को 6 कांवड़ियों की मौत से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय घटी जब कांवड़िये मंदिर में जल चढ़ाने के लिए गांव में दाखिल हो रहे थे। डीजे की गाड़ी पर लगभग सत्रह लोग सवार थे जिनमें से 6 की करंट लगने से मौके पर मौत हो गई है, वहीं 10 से ज्यादा कांवड़िए घायल हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हादसे से आक्रोशित कांवड़ियों ने जाम लगाकर जमकर हंगामा किया है। वे बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का भी आरोप लगा रहे हैं। यह हादसा मेरठ के थाना भावनपुर क्षेत्र के राली चौहान इलाके में हुआ। यहां हरिद्वार से जल लेकर बड़ी डीजे कावड़ मेरठ पहुंचा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव में दाखिल होने से पहले हाई टेंशन लाइन बंद करने के लिए बिजली विभाग से कहा भी गया था। लेकिन हाई टेंशन लाइन चालू रही और डीजे कावड़ हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। इसके बाद इतना बड़ा हादसा हो गया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है। मौके पर मौजूद कावड़ियों ने रास्ते पर ही जाम लगाकर जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर कई थानों की पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को बमुश्किल समझा-बुझाकर शांत किया जा रहा है। वहीं पु ?लिस ने लापरवाह विद्युत अधिकारियों पर भी एक्शन का आश्वासन दिया गया है। फिलहाल अस्तपताल में घायलों का उपचार जारी है पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। ताकि किसी तरह की कोई अन्य घटना न हो सके।

चाचा ने किया चार साल की भतीजी से रेप, फिर गला घोंट कर घास में फेंका

शिमला । हिमाचल की राजधानी शिमला में एक चाचा ने अपनी 4 साल की मासूम भतीजी के साथ रेप करके उसका गला घोंट दिया। बच्ची का शव घर के पास ही घास में पड़ा मिला है। मिली जानकारी के अनुसार शिमला के कोटखाई से रिश्तों को तार तार करने वाली यह वारदात सामने आई है। जहां चाचा ने चार साल की मासूम भतीजी के साथ दुष्कर्म करने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मासूम का शव घर से कुछ दूरी पर घास में पड़ा मिला। पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार देर रात घटित इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार नेपाली मूल का है और दिहाड़ी मजदूरी का काम करता है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्ची के माता-पिता शनिवार सबह सेब बगीचे में काम करने गए थे।

केजरीवाल ने कहा- कम हो रहा यमुना का जलस्तर, बाढ़ को लेकर आप और भाजपा के बीच वाकयुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कुछ हिस्सों में जीवन और आजीविका पर कहर बरपाने के बाद शनिवार को उफनती यमुना के स्तर में गिरावट देखी गई। कई इलाकों से बाढ़ का पानी कम होने के कारण अधिकारियों को सड़कें खोलने और यातायात की आवाजाही को आसान बनाने की अनुमति मिली। हालांकि, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच बाढ़ को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। दोनों दलों ने राजधानी में बाढ़ के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यमुना का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है और अगर अब भारी बारिश नहीं हुई तो स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी, लेकिन उन्होंने कहा कि बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है। दिल्ली सरकार के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ग्रस्त इलाकों में स्थिति में सुधार हो रहा है।

हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिन शहर में मध्यम स्तर की बारिश और अगले पांच दिनों के दौरान उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व उत्तर प्रदेश में 'भारी से बहुत भारी' स्तर की बारिश होने का अनुमान जताया है। केंद्रीय जल आयोग के बाढ़-निगरानी पोर्टल के अनुसार, शनिवार शाम सात बजे तक यमुना का जल स्तर घटकर 206.87 मीटर हो गया, जो बृहस्पतिवार रात आठ बजे 208.66 मीटर था। शनिवार को सुबह सात बजे जलस्तर 207.62 मीटर था। पिछले दो दिनों में हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से प्रवाह दर कम होने के साथ, और गिरावट की उम्मीद है। हालांकि, यमुना का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। शहर में सामान्य जल आपूर्ति, जो डब्ल्यूटीपी में बाढ़ के कारण प्रभावित हुई थी, रविवार को बहाल होने की संभावना है क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा कि वजीराबाद और चंद्रावल में जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) रविवार तक शुरू हो जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कई सड़कें शनिवार को खोल दी गईं, हालांकि कुछ सड़क हिस्सों पर यातायात नियम अभी भी प्रभावी हैं। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र और हरियाणा की सरकारों ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी की ओर पानी छोड़ा, जिसकी वजहसे शहर में बाढ़ आई। भारद्वाज ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 3-4 दिन में दिल्ली में भारी बारिश नहीं हुई, फिर भी यमुना में जल स्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया। उन्होंने कहा, 'हथिनीकुंड बैराज से तीन नहरों - पश्चिमी नहर, पूर्वी नहर और यमुना में पानी छोड़ा जाता है। नौ से 13 जुलाई के बीच षड़यंत्र के तहत यमुना नहर से केवल दिल्ली की ओर पानी छोड़ा गया। पश्चिमी और पूर्वी नहर में पानी नहीं छोड़ा गया।' भाजपा ने 'आप' पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली में बाढ़ के लिए 'आप' सरकार की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार जिम्मेदार है और मुख्यमंत्री केजरीवाल से स्थिति को संभालने में विफल रहने के लिए लोगों से माफी मांगने को कहा।भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया और पार्टी के सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार के पिछले आठ वर्षों में यमुना से गाद निकालने में नाकामी के कारण बाढ़ आई है।

एक म्यान में दो तलवारें नहीं रहती, अब तो तीन एक साथ हैं : बालासाहेब थोराट

मुंबई । महाराष्ट्र के पूर्व राजस्व मंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर बालासाहेब थोराट ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार को लेकर बड़ा बयान दिया है। थोराट ने कहा है कि मौजूदा समय में राज्य में एक मुख्यमंत्री हैं, एक पूर्व मुख्यमंत्री जो अब उपमुख्यमंत्री हैं और एक वर्तमान उपमुख्यमंत्री हैं जो मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। थोराट ने कहा कि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती हैं। लेकिन महाराष्ट्र में तो तीन तलवारों को एक म्यान में रखने का काम शुरू है। बालासाहेब थोराट ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि वे (शिंदे-फडणवीस-अजित पवार) आपसी समझ से सरकार चलाएंगे। दूसरी तरफ आम लोगों में इस सरकार के खिलाफ काफी गुस्सा है। थोराट ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं टूटेगा। इसके उलट थोराट ने यह भरोसा जताया कि कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों का एकजुट होकर सामना करने से कांग्रेस राज्य में नंबर वन पार्टी होगी। थोराट ने कहा कि महाराष्ट्र में फिलहाल राजनीतिक अराजकता की स्थिति है। ऐसे हालात इसके पहले कभी नहीं देखे। समय- समय पर राजनीति बदलती है, कुछ बदलाव भी होते हैं। जो कुछ राज्य की सियासत में अभी हो रहा है ऐसा कभी नहीं हुआ। एक साल में दो पार्टियों को तोड़ा गया। बीजेपी ने सत्ता के लिए कुछ भी करने का मूलमंत्र लेकर सरकार बनाई है। विधायक नए मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के बीच टकराव और नाराजगी का माहौल है। जहां फसल बोई गई है वहां पानी नहीं है। इससे किसानों में निराशा की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

दस सालों में इसरो ने रच डाला नया इतिहास, अब तक कर चुका 47 लॉन्चिंग

-चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग हुई तो भारत बन जाएगा दुनिया का सफलतम चौथा देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले दस सालों में एक से बढ़कर एक नई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवधि में इसरो ने कुल 47 लांचिंग करके इतिहास बनाया है। अभी हाल ही में इसरो ने 14 जुलाई 2023 को चंद्रमा की सतह पर रोबोटिक सॉफ्ट लैंडिंग की दिशा में एक और प्रयास किया। एलवीएम-3 रॉकेट द्वारा चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के चारों ओर एक कक्षा में लॉन्च करने के साथ इसरो के तीसरे चंद्रमा मिशन की शुरुआत हुई। इससे पहले 2008 व 2019 में दो मून मिशन लॉन्च हो चुके हैं। जानकार बता रहे हैं कि इस बार यदि इसरो के लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग सफल हो जाती है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। गौरतलब है कि साल 1969 में अपनी स्थापना के बाद से, देश की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जाने वाले कुल 89 लॉन्च मिशनों को अंजाम दिया है। इन के विश्लेषण से पता चलता है कि नरेंद्र मोदी सरकार के तहत पिछली सभी सरकारों की तुलना में अधिक लॉन्चिंग हुई है। कोविड-19 महामारी के कारण इसरो के लॉन्च की गति धीमी होने के कारण 2020-21 के दौरान केवल कुछ ही मिशन शुरू किए जा सके। बावजूद इसके 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारतीय अंतरीक्ष एजेंसी ने 4 अलग-अलग लॉन्च व्हिकल का उपयोग करके 47 मिशन लॉन्च किए हैं।

हालांकि इसरो ने मनमोहन सरकार के दौरान 24, वाजपेयी सरकार के दौरान 6 और नरसिम्हा राव सरकार के दौरान 5 मिशन लॉन्च किए थे। पिछले 9 सालों में इसरो द्वारा लॉन्च किए गए 47 मिशनों में से केवल 3 उपग्रहों को उनकी इच्छित कक्षाओं में स्थापित करने में विफलता मिली, बाकी सभी मिशन सफल रहे। तीन असफल मिशनों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान की पहली उड़ान, 2017 का पीएसएलवी मिशन शामिल है। इसमें नेविगेशन तारामंडल के लिए प्रतिस्थापन किया गया था, जब उपग्रह की सुरक्षा करने वाला हीट शील्ड नहीं खुला था, और 2021 जीएसएलवी मिशन जहां हाइड्रोजन टैंक में अपर्याप्त दबाव के कारण तीसरा चरण प्रज्वलित नहीं हो सका। इसी तरह 22 जुलाई, 2019 को लॉन्च किए गए चंद्रयान-2 मिशन ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी और चंद्रमा के चारों ओर एक ऑर्बिटर स्थापित किया, लेकिन यह चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के इच्छित लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका। केंद्रीय राज्य मंत्री, जितेंद्र सिंह, अंतरिक्ष मिशनों की गति में वृद्धि का श्रेय मोदी सरकार को रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले, हम सीमित जनशक्ति, सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे थे और दूसरों को भाग लेने की अनुमति नहीं दे रहे थे, लेकिन सरकार इतनी बड़ी धनराशि नहीं दे सकती थी और इसलिए, एक तरह से, हम वास्तव में खुद को अक्षम कर रहे थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। प्रक्षेपण वाहनों के निर्माण के लिए उद्योग साझेदारी बढ़ाने के अलावा, इसरो ने हाल के वर्षों में, मिशनों के बीच के समय को कम करने के लिए पीएसएलवी एकीकरण सुविधा स्थापित करने जैसे बदलाव भी किए हैं।

अभिषेक बच्चन सपा के टिकट पर लड़ेंगे चुनाव ?

-वॉलीवुड एक्टर की राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चा इन दिनों जोरों पर चल रही

लखनऊ (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के बाद अब उनके बेटे अमिताभ बच्चन भी राजनीति में कदम रख रहे हैं। चर्चा है कि वे सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं। वहीं किस सीट पर कौन सा कैंडिडेट फिट बैठ रहा है इसको लेकर भी सारे जातीय समीकरण को देखते हुए मंथन चल रहा है। इसी बीच चर्चाओं का बाजार भी गरम है। इस बार चुनाव में बॉलिवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन भी राजनीति में कदम रखने कई लोग हैरान हैं। गौरतलब है कि अभिषेक बच्चन के पिता अमिताभ बच्चन इलाहाबाद से सांसद रह चुके हैं। वहीं उनकी मां जया बच्चन भी सपा से राज्यसभा सांसद हैं। हालांकि यह केवल सूत्रों पर आधारित है, इसे पूरी तरह से पुष्टि होनी बाकी है। अभिनेता अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश से राजनीति में कदम रखेंगे। सूत्रों की माने तो अभिषेक बच्चन इलाहाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि अभी इसे लेकर न ही सपा की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है और न ही बच्चन परिवार की ओर से किसी ने अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने को लेकर कुछ बोला है लेकिन चर्चाएं जोरों पर चल रही हैं। हाल ही में सपा मुखिया अखिलेश यादव मुम्बई दौरे पर भी गए थे। इलाहाबाद से अभिषेक बच्चन के चुनाव पर लड़ने समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि उनकी मां जया बच्चन सपा से राज्यसभा सदस्य हैं। उनका परिवार समाजवादी है और समाजवादी विचारधारा को मानने वाला है। ऐसे में अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी मुखिया अखिलेश यादव और सपा नेतृत्व को करना है। सपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगर अभिषेक बच्चन चुनाव लड़ते हैं तो अच्छा रहेगा और वो चुनाव अच्छा लड़ेंगे।

बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का कोई प्रभाव नहीं होगा: बोम्मई

हुबली (एजेंसी)। बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि ऐसी बैठकों का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है और आने वाले दिनों में ऐसी कई बैठकें हो सकती हैं, लेकिन उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि विपक्षी दलों के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को हराने के अलावा एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है। सत्रह और 18 जुलाई को कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक के लिए 24 गैर-भाजपा दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक का उद्देश्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करना है। बोम्मई ने कहा, ''अखिल भारतीय स्तर पर कोई मजबूत विपक्षी दल नहीं है, क्षेत्रीय दल अधिक हैं, इसलिए विपक्षी दलों का एकजुट होना और उनकी बैठकें आयोजित करने का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है, न ही इससे (उन्हें) कोई राजनीतिक लाभ होगा।'' यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और भाजपा को हराने के एकमात्र इरादे से वे एकजुट हो रहे हैं, जिससे पता चलता है कि उनके पास अपनी ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, उनके पास एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है, उनका एकमात्र इरादा मोदी को हराना है।

समाजवादी पार्टी का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है: ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ। (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राष्?ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बाद रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है और अभी बहुत से लोग सपा छोड़कर राजग में शामिल होंगे। लखनऊ में जारी एक बयान में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा का किसी से गठबंधन टिक ही नहीं सकता है। कांग्रेस और बसपा के साथ ही सुभासपा के साथ हुए सपा के पूर्व गठबंधन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति नवासा (ससुराल की संपत्ति) पाने वाले व्यक्ति जैसी हो गई है, जो चाहता है कि गांव में सब कुछ उसी के पास रहे।

सपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया था, लेकिन यह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया। ओमप्रकाश राजभर ने वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा और राज्?य की 403 सीट में से छह सीट पर उनके समेत सुभासपा के उम्मीदवार विजयी हुए। राजभर चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद सपा गठबंधन से अलग हो गये। राजभर ने कहा कि सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा और सुशासन के साथ-साथ वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों और हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भाजपा और सुभासपा मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सहयोगी रह चुके राजभर ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को हुई मुलाकात में दोनों दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है और अब उप्र में सभी 80 सीट पर राजग की जीत तय है। भाजपा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''विपक्ष में अहम (अहंकार) है, सभी खुद को बड़ा मानते हैं। इन दलों को भाजपा से सीखना चाहिए कि कैसे छोटे-छोटे दलों को जोड़कर सत्ता हासिल की जाती है। सुभासपा प्रमुख ने कहा कि 18 जुलाई को दिल्ली में राजग की बैठक में तय होगा कि रैलियां कैसे होंगी और सीट का बंटवारा कैसे होगा। दारा सिंह चौहान के भाजपा में आने के मामले पर राजभर ने कहा कि धर्म सिंह सैनी (योगी आदित्यनाथ की पिछली सरकार के मंत्री जो सपा में चले गये थे) को भी जल्द आपके सामने लाऊंगा।

आईएमडी का अलर्ट, हिमाचल, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश

-आगामी चार दिनों तक देश के अनेक हिस्सों में मूसलाधार, जलभराव की बनेगी स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है। हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तथा मुंबई से लेकर ओडिशा तक हर जगह बारिश से हाल बेहाल हैं। इधर देश की राजधानी दिल्ली में तो यमुना का जलस्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बारिश और बाढ़ के मद्देनजर कई राज्यों में ज्यादातर स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग ने तो अगले पांच दिनों के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना व्यक्त की है। इसके अलावा देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भारी बारिश, तूफान और आकाशीय बिजली गिरने के साथ ही भीषण बारिश होने की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 18 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है। इसके बाद ही बारिश में कमी आने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना है। देश के पश्चिमी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। यह भी कहा कि कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अगले पांच दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। गुजरात में 19 जुलाई को मौसम का यही मिजाज देखने को मिल सकता है।

देश की राजधानी दिल्ली में बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। यह ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद यमुना में जलस्तर के खतरे के निशान के पार जाने के कारण बाढ़ का सामना कर रही है। गौरतलब है कि 'येलो' अलर्ट मौसम की खराब स्थिति के प्रति सचेत करता है। बारिश से यमुना के जलस्तर में और वृद्धि होने की आशंका है, जो पिछले कुछ दिनों से खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक, शनिवार सुबह सात बजे यमुना का जलस्तर घटकर 207.62 मीटर पर आ गया, जो बृहस्पतिवार रात आठ बजे अपने चरम 208.66 मीटर पर था। दिल्ली में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 85 फीसदी दर्ज की गई।

इधर हिमाचल प्रदेश में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग के स्थानीय कार्यालय ने 15 से 17 जुलाई तक लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर राज्य के 12 जिलों में से 10 में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही, इसने भूस्खलन, अचानक बाढ़ आने, और नदियों व नालों के जलस्तर में वृद्धि का अनुमान भी जताया है। मौसम कार्यालय ने 18 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। 21 जुलाई तक राज्य में बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। यहां अब तक

284.1 मिलीमीटर(मिमी) बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश यानी 110.4 मिलीमीटर से 157 प्रतिशत अधिक है। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश जारी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेंगलुरु बैठक में केजरीवाल के आने की संभावना

बिहार से लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की उपस्थिति होगी खास, 2024 का मुकाबला होगा दमदार

पटना। 23 जून को पटना में हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद 17 जुलाई को बेंगलुरु में दूसरी बैठक होनी है। बिहार से जो दो बड़े नेता इसमें भाग लेंगे। वे हैं लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के रथ को रोकने के लिए यह बड़ी पहल है। इसमें दो दर्जन पार्टियां शामिल होने जा रही हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद की मदद से देश के कई नेताओं से जाकर मुलाकात की और बीजेपी के खिलाफ विपक्षी एकता पर फोकस किया। इससे पहले विपक्षी एकता की बड़ी बैठक पटना में महागठबंधन की ओर आयोजित की गई थी। बेंगलुरु में होने वाली बैठक को लेकर सभी की नजर आम आदमी पार्टी पर है। पटना की बैठक में अरविंद केजरीवाल प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले से निकल गए थे। उन्होंने केन्द्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस का समर्थन मांगा था। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव तो अध्यादेश के खिलाफ अपनी राय पहले ही रख चुके थे, इसलिए केजरीवाल पटना की बैठक में आए भी थे। कांग्रेस की नाराजगी केजरीवाल से इसलिए है कि वे सोनिया गांधी की आलोचना कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को आदेश दिया था कि दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार दिल्ली सरकार के पास रहेंगे। इसके बाद केंद्र सरकार 20 मई को एक अध्यादेश लाई और ये अधिकार उपराज्यपाल को दे दिए। केजरीवाल इसी अध्यादेश का विरोध कर रहे हैं। आम आदमी

पार्टी के बिहार प्रदेश प्रवक्ता बबलू प्रकाश से भास्कर ने बात की। वे कहते हैं कि जैसा लग रहा है आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के बैठक में शामिल होने की संभावना कम है। कारण यह है कि दो दिन पहले अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस ने पटना की बैठक के बाद कहा था कि मानसून सत्र के पहले कांग्रेस अध्यादेश पर अपना रुख साफ करेगी। लेकिन कांग्रेस ने अब तक अपना रुख अब तक साफ नहीं किया है। बैठक के लिए निमंत्रण आया है लेकिन कांग्रेस के रवैया की वजह से मुझे लगता है कि आप पार्टी के कोई नेता बैठक में शामिल नहीं होंगे। जानकारी का है कि बेंगलुरु की बैठक में पार्टी के सुप्रीमो या राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल होंगे। कांग्रेस से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और वेणुगोपाल बैठक में रहेंगे। आरजेडी से लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव और मनोज झा रहेंगे। जेडीयू से नीतीश कुमार, जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, मंत्री संजय झा रहेंगे। भास्कर ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से बात की। उन्होंने कहा कि रविवार को शाम वे भी बेंगलुरु जा रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि मैं बेंगलुरु नहीं जा रहा हूं। वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार कहते हैं कि विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने की जो कोशिश पटना से शुरू हुई। इसके बाद यह बैठक बेंगलुरु में होनी है। लेकिन केजरीवाल की बैठक में जाने की संभावना कम है। केजरीवाल की शर्त है कि कांग्रेस अध्यादेश के मुद्दे पर साथ देगी तभी वे आगे बढ़ेंगे। अभी और भी लोग हटेंगे और और जुटेंगे भी। अभी गठबंधन एक जरूरत है, जिस तरह से 1977 और 89 में जरूरत थी। जब भी गठबंधन बना है, सत्ता पार्टी को कुर्सी से हटाने में सफलता मिली है। संतोष का कहना है कि इस बार भी यह शुरूआत बिहार से हुई है। पिछली बार जितने दल विपक्षी बैठक में आए थे, उन्हें मिलाकर 400 सीटें पूरी हो जाती हैं। 400 सीटों पर वन-बाय-वन मुकाबला होगा तो सत्ता पक्ष को नुकसान होगा। नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल पूरे हो गए हैं और एंटी इनकांबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) दिख रहा है। रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लोगों की नाराजगी है।

युवती से छेड़खानी, विरोध करने पर मारपीट

भोजपुर । जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव में शनिवार शाम छेड़खानी का विरोध करने पर युवती समेत दो लोगों की लाठीझ्र डंडे से पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव निवासी 55 वर्षीय भगेलु मियां एवं 21 वर्षीय उनके साढु की लड़की माना खातून शामिल है। इधर, भगेलु मियां ने बताया कि उन्हें कोई संतान नहीं है। जिसके कारण उन्होंने अपने साढु की लड़की को बचपन में गोद ले लिया था और उसका पालन पोषण खुद ही करते हैं। शनिवार शाम जब उनकी साढु की लड़की माना खातून शौच करने के लिए खेत की ओर जा रही थी। तभी पड़ोसी के कुछ लड़के उसके साथ छेड़खानी व टोनबाजी करने लगे। उसी दौरान माना खातून ने लड़कों को गाली दे दी। उसके बाद जब उसने इसकी शिकायत परिजनों की तो वह उक्त युवकों से पूछताछ करने गए। तभी उक्त युवक ने गाली-गलौज करते हुए परिजनों को डंडों से पीटना शुरू किया कर दिया। जब वह बीच-बचाव करने गई तो उक्त युवकों ने उसे भी मार कर जख्मी कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर जख्मी भगेलु मियां ने पड़ोस के ही कुछ लड़कों पर अपनी बेटी व माना खातून से छेड़खानी करने व विरोध करने पर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में पूर्व से चले आ रहे विवाद को लेकर पाटीदारों ने भवहझ्रभैसुर की जमकर पिटाई कर दी । मारपीट की घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए जिसके बाद आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज कराया जा रहा है । जख्मों में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मिल्की गांव निवासी बद्री सिंह के 26 वर्षीय पुत्र मंतोष कुमार और उनकी भवह मनोज कुमार सिंह की 25 वर्षीय पत्नी अंतिमा देवी शामिल है। इधर,जख्मी मंतोष ने बताया की भाई लोगों ने मिलकर ढाई कट्ठा जमीन दूसरे से जबरन बेच दिया था।

अनंत सिंह ने जेल में अपनी हत्या की आशंका जताई

पूरी रात खुला था बैरक का गेट, समर्थकों ने प्रहरियों को पीटा, 4 कक्षपाल घायल

पटना । बेऊर जेल में बंद बाहुबली अनंत सिंह ने अपनी हत्या की आशंका जताई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अनंत सिंह और राजद के ही नवादा से पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव एक ही वार्ड में बंद हैं। आरोप है कि इस वार्ड के गेट को कल रात खुला छोड़ दिया गया था। इस कारण पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने जेल में अपनी हत्या किए जाने की आशंका जताई है। अनंत सिंह की बैरक का गेट खुला रहने की खबरों के बाद जेल के अंदर जेल कर्मी और अनंत समर्थकों के बीच भिड़ंत हुई है। इसमें 4 जेल प्रहरी घायल हैं। वहीं इस मामले के सामने आने

के बाद सदर अनुमंडल अधिकारी, फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी समेत प्रशासन के कई अधिकारी भारी दल बल के साथ पटना के बेऊर जेल पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि जेल में 2 घंटे तक जमकर मारपीट और हंगामा हुआ। पगली घंटी बजते ही जेल के सभी कैदी और कर्मचारी सतर्क हो गए। बताया जा रहा है कि इस बीच जेल के अंदर ही सूचना मिलने के बाद जेल के उच्च पदाधिकारी, जेलर, सहायक जेलर सहित भारी संख्या में जेल के कक्षपाल, उच्च कक्षपाल जेल के अंदर पहुंचे। इस बीच जेल के सभी कैदियों को उनके बैरक में जाने की सूचना दी गई। घटना की पुष्टि करते हुए जेल के एक अधिकारी ने बताया कि अनंत सिंह के समर्थकों ने कक्षपाल से मारपीट की है। यह पूछे जाने पर कि कौन-कौन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने इस मामले में कुछ भी बताने से इनकार करते हुए कहा कि जेल प्रशासन पूरे मामले की छानबीन कर रही है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विक्रम सिहाग ने बताया कि फिलहाल उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। वह इस पर जेल के अधिकारियों और बेऊर थाने से बातचीत कर रहे हैं। बाहुबली अनंत सिंह के पैतृक आवास नदवां में 2019 में एके 47 बरामद हुई थी। इस मामले में उन्हें 2022 में कोर्ट ने दोषी पाते हुए 10 साल की सजा सुलाई थी। अनंत इसी मामले में बेऊर जेल में बंद हैं। अनंत सिंह मोकामा से आरजेडी की टिकट पर विधायक का चुनाव जीते थे, लेकिन सजा के बाद उनकी विधायकी भी चली गई थी।

नालंदा में हिरण्य पर्वत पर बना पार्क हुआ जर्जर

नालंदा। बिहार शरीफ स्थित हिरण्य पर्वत पर बना पार्क देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील होने के कगार पर है। वर्ष 2018 में बने इस पार्क में 2 करोड़ 83 लाख की लागत से सिनारियोज एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया था। समय-समय पर कभी घेराबंदी तो कभी अन्य कार्यों के लिए लाखों रुपए हिरण्य पर्वत स्थित पार्क में खर्च किए गए हैं। हालांकि अब यह पार्क वन विभाग के अधीन आ गया है। लेकिन पार्क की बदहाली बदल नहीं रही है। हिरण्य पर्वत पार्क के अंदर चिल्ड्रन पार्क भी बनाया गया है। जिसमें आधे से ज्यादा झूले रखरखाव के अभाव में टूट चुके हैं या फिर उन में जंग लग गई है।

जिसके कारण उनकी स्थिति जर्जर हो गई है। पार्क के अंदर एडवेंचर एवं खूबसूरती के लिए भूल भुलैया, सेल्फी प्वाइंट सहित फाउंटेन एवं अन्य प्रकार की सजावट की गई थी। लेकिन समय रहते उनका रखरखाव नहीं हो सका। जिसके कारण आज एडवेंचर के लिए बनाए गए भूल-भुलैया, सेल्फी प्वाइंट जर्जर हो चुकी है। तो वहीं कृतिम पर्वतों से गिरने वाले झरनों में भी काई जम गई है। हिरण्य पर्वत पार्क में वन विभाग के द्वारा सफाई कर्मी भी लगाए गए लेकिन वे भी सिर्फ मुख्य रास्तों को ही साफ करने में पूरा दिन गुजार देते हैं। जब इस मामले में नालंदा डीएफओ से संपर्क साधा गया तो उन्होंने फोन उठाने की भी जहमत नहीं की, शायद यही वजह है कि हिरण्य पर्वत पार्क आज बदहाली की अवस्था में हैं। कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही इस पार्क की नींव रखी थी।

संक्षिप्त डायरी

जंगल में बैठे प्रेमी जोड़े को भीड़ ने पकड़ा: जमुई में दोनों से मारपीट की

जमुई । लोगों ने जंगल में बैठे प्रेमी जोड़े को पकड़ लिया। दोनों गंगटा के जंगल में बैठकर बात कर रहे थे। आसपास रहने वाले कुछ लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने जंगल में दोनों को दौड़ाया फिर युवाओं ने बीच सड़क पर प्रेमी जोड़े के साथ मारपीट की। गंदी-गंदी गालियां भी दीं। इस दौरान लड़का बोल रहा है कि इसे छोड़ दो, मेरे साथ जो करना है कर लो। इसका वीडियो भी सामने आया है।मामला लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र का है। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ युवकों ने दोनों को घेर रखा है। कुछ युवक लड़की के साथ बहसबाजी कर रहे हैं। बदसलूकी भी कर रहे हैं। लड़की गमछे से अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करती है। पीछे से आकर एक युवक ने उसके सिर से गमछा भी हटा दिया। उसका मास्क खोलने की कोशिश करने लगे। साथ ही प्रेमी के साथ धक्का-मुक्की करने लगा। लड़की काफी सहमी नजर आ रही। दोनों हाथ जोड़कर लोगों से छोड़ने की मिन्नतें कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लड़का और लड़की लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। दो साल से दोनों के बीच अफेयर चल रहा था। शनिवार को वह अपनी प्रेमिका को बाइक से घुमाने के लिए लक्ष्मीपुर के गंगटा जंगल लेकर गया था। दोनों को युवाओं ने पकड़ लिया। जंगल के बाहर बीच सड़क पर युवक प्रेमी जोड़े के साथ मारपीट करने की धमकी देने लगे। कोई शादी कराने की बात कहने लगा। प्रेमी जोड़े को बदसलूकी के साथ गंदी गालियां भी दी जाने लगी। इस दौरान प्रेमी युवक ने माफी भी मांगी, प्रेमी ने युवकों से कहा कि जो करना है मुझे करो, उसे कुछ मत कहो। वहीं, जमुई एसडीपीओ डॉ राकेश कुमार ने बताया कि वीडियो संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। युवाओं द्वारा की गई बदसलूकी निंदनीय है। पुलिस युवकों की शिनाख्त कर कार्रवाई करेगी।

नशे के हालत में पत्नी की पिटाई: पति शराब पीने के लिए मांगते पैसे, नहीं देने पर टांगी से फोड़ा सिर

नवादा । नशे की हालत में शनिवार को पति ने पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट की है। महिला सिर फटने के बाद सदर अस्पताल में इलाज करवाने के लिए पहुंची है। घायल महिला के बेटे ने बताया कि पिता द्वारा मेरी मां के साथ मारपीट की गई है। पापा शराब पीने के लिए पैसे मांगते रहते। आज भी वह काफी नशे में थे और मां के साथ मारपीट की। घटना नगर थाना क्षेत्र के गोवर्धन मंदिर के पास की है। वहीं, जब हम छुड़ाने के लिए गए तो मुझे भी मारा। मेरे कपड़े भी फाड़ दिए। आरोपी पति का नाम गोरेलाल चौधरी है। घायल पत्नी प्रभा देवी है। प्रभा के सिर पर टांगी से वार किया गया है। घायल के बेटे ने कहा कि अगर वक्त पर मैं नहीं पहुंचा तो मेरी मां की टांगी से काटकर नशे की हालत में हत्या भी कर सकते थे। वहीं, प्रभा देवी ने कहा कि इस महंगाई के दौर में भी किसी तरह से कमा कर अपने बच्चे को भोजन करवा रहे, लेकिन मेरे पति पता नहीं कहां से नशे की हालत में आते हैं। मेरे साथ मारपीट करते हैं। इतना ही नहीं जो भी पैसे रहते हैं, घर में उसे भी लेकर चले जाते हैं। शराब पीते हैं। घायल महिला ने सदर अस्पताल में ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी को भी मारपीट की जानकारी दे दी है। ड्यूटी में विजय कुमार सिंह ने कहा कि महिला इलाज करवा रही है।

24 जिलों में बारिश का अलर्ट: बिजली से 17 की मौत

अररिया में डैम टूटने से रिहायशी इलाके डूबे, पटना में 3 घंटे में बारिश की संभावना

पटना। बिहार के कई जिलों में लगातार बारिश से उत्तर बिहार की नदियां उफान पर हैं। रविवार को भी पटना समेत प्रदेश के 24 जिलों में हल्की बारिश के साथ-साथ आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया गया है। 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में अगले 3 दिनों तक कई जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने राजधानी के कुछ इलाकों में अगले तीन घंटे में बारिश की संभावना जताई है। अररिया के मदनपुर में बकरा नदी पर बना मरिया बांध टूट गया है। बाजार टापू बन गया है। बांध का पानी मदनपुर के ऐतिहासिक शिव मंदिर में भर गया है। मंदिर पूरी तरह से पानी में डूब चुका है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल मदनपुर का यह ऐतिहासिक शिव मंदिर बाढ़ आने के बाद पानी में डूब जाता है। मंदिर में काफी दूर-दूर से लोग पूजा करने आते हैं, फिर भी शासन और प्रशासन की ओर से यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। सीतामढ़ी में परिहार के रास्ते बहने वाली मरहा और हरदी नदी के जलस्तर में शनिवार की शाम से कमी दर्ज की जा रही है। हालांकि, सुबह तक नदी का जलस्तर स्थिर था। वहीं, बाढ़ का पानी बरकरार है। लहुरिया पंचायत की तरफ मुड़ी हरदी नदी की धारा के कारण लोगों को बाढ़

के पानी से परेशानी हो रही है। यहां शुक्रवार को तीन फीट पानी बह रहा था। उस समय आवागमन बंद हो चुका था। इसके अलावा बारा, बंसवरिया, लहुरिया, खुरसाहा, जगदर, चैनपुरा, खुद्दी बखाड़ी गांव के सरेह में भी बाढ़ का पानी फैला हुआ है। लखनदेई नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है। जलस्तर में वृद्धि होने से शहर के निचले इलाके में पानी के फैलाव की संभावना बढ़ गई है। बिहार के उत्तरी हिस्से में लगातार होने वाली बारिश की वजह से प्रदेश के सभी नदियों में जलस्तर में 10 से 70 सेमी तक वृद्धि हुई है। 24 घंटे के दौरान बिहार के 29 स्थानों पर 1605 एमएम बारिश हुई है। बागमती, महानंदा, परमान नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 30 से 74 सेमी तक ऊपर रिकॉर्ड किया गया है। छह दर्जन से अधिक गांवों में पानी घुस गया है। जिला प्रशासन की ओर से लगभग 9 हजार ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया। बाढ़ के पानी में डूबने से किशनगंज और सुपौल में तीन-तीन और अररिया में दो लोगों की मौत हो गई। बिहार में पिछले 24 घंटे के

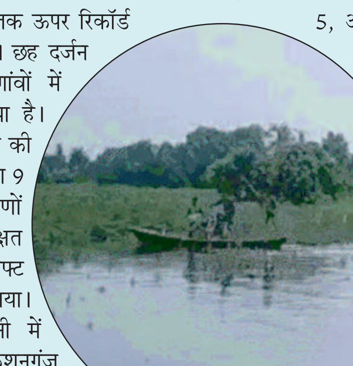

दौरान आकाशीय बिजली से रोहतास में 5, औरंगाबाद में 2, बक्सर में 2, अरवल में 1, किशनगंज में 1, कैमूर में 1, वैशाली में 1, सीवान में 1, पटना में 1, अररिया में 1 और सारण में 1 व्यक्ति की मौत हो गई है। सीएम ने गहरी शोक संवेदना जताई है। साथ ही मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। मौसम विभाग के अनुसार पटना में आज भी पूरे दिन बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश को लेकर के पूर्व अनुमान जारी किया गया है। वज्रपात को लेकर भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसके साथ साथ 20 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवा भी चलने की संभावनाएं जताई गई है। शनिवार को पटना सहित प्रदेश के कई जिलों तेज बारिश हुई। इसके बाद लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। वहीं पटना में शनिवार शाम को 20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों के अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

अररिया का शिव मंदिर बारिश के पानी में डूबा

अररिया । मदनपुर में बकरा नदी पर बना मरिया बांध टूट गया है। बाजार टापू बन गया है। बांध का पानी मदनपुर के ऐतिहासिक शिव मंदिर में भर गया है। मंदिर पूरी तरह से पानी में डूब चुका है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल मदनपुर का यह ऐतिहासिक शिव मंदिर बाढ़ आने के बाद पानी में डूब जाता है। मंदिर में काफी दूर-दूर से लोग पूजा करने आते हैं फिर भी शासन और प्रशासन की ओर से यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय विजय आनंद ने बताया कि हर साल लोगों की यही स्थिति होती है। उन लोगों ने कई दफे स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि से मांग भी की है कि एक तटबंध बनाया जाए ताकि इस समस्या का हल कर सके। स्थानीय प्रशासन कोई कदम नहीं उठाता जिसके कारण लगभग हर साल ये ही स्थिति रहती है। बता दें कि मंदिर में जब तक पानी रहता है तब तक भक्तों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोग बाहर से ही मंदिर में पूजा पाठ करते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐतिहासिक शिव मंदिर के बगल में बसे कई गांव में भी पानी प्रवेश कर चुका है। मंदिर के चारों तरफ से आने जाने का रास्ता बंद हो गया है। लोग बाढ़ के पानी में चारों तरफ से घिर चुके हैं। लोगों ने कहा कि अभी ऐसी स्थिति बन चुकी है कि अगर किसी के साथ कोई इमरजेंसी हो जाए और अस्पताल ले जाया जाए तो वहां भी अस्पताल में अंदर 6 फीट पानी घुसा हुआ है।

उ0प्र0 राजस्व परिषद, प्राविधिक शिक्षा विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के

अभ्यर्थियों को सीएम नियुक्ति पत्र वितरित किये

● प्रदेश में विगत 06 वर्षों में अब तक लगभग 06 लाख शासकीय नियुक्तियां की जा चुकीं, इन नियुक्तियों पर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का प्रश्न खड़ा नहीं कर सका ● प्रदेश की युवाओं की प्रतिभा का प्रदेश में ही सम्मान किया जा रहा, इसी का परिणाम है कि आज प्रदेश द्रुत गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा ● विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में व्यापक परिवर्तन हुए, देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया ● प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप प्रदेश, देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने रोजगार सृजन की दिशा में नित नए कदम बढ़ाए हैं। सरकारी नियुक्तियां तेजी के साथ आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश के विभिन्न भर्ती आयोग और बोर्ड तेजी के साथ नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके द्वारा भी कई सुधार किए गए हैं। यह सुधार प्रदेश के युवाओं के लिए अनुकूल हैं और चयन प्रक्रिया सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 66 समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद), 204 अनुदेशक (प्राविधिक शिक्षा विभाग) एवं 130 कनिष्ठ सहायक (लोक निर्माण विभाग) को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की गयी मिशन रोजगार पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत डेढ़ वर्षों में यह 17वां नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। आज 03 विभागों के कुल 400 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। 02 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम शीघ्र ही सम्पन्न होने जा रहे हैं। विगत डेढ़ वर्षों में अब तक 55 हजार से अधिक युवाओं को सफलतापूर्वक चयन प्रक्रिया द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। यह नियुक्ति पत्र प्रदेश के विभिन्न भर्ती आयोगों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को प्रदान किए गए हैं। प्रदेश में विगत 06 वर्षों में अब तक लगभग 06 लाख शासकीय नियुक्तियां की जा चुकी हैं। इन नियुक्तियों में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का प्रश्न खड़ा नहीं कर सका है। वर्तमान में कोई भी नियुक्ति प्रक्रिया न्यायालय में लम्बित नहीं है और न ही न्यायालय द्वारा किसी नियुक्ति प्रक्रिया को स्टे किया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, शिक्षा आयोग तथा विभिन्न विभागों के स्तर पर चयन की प्रक्रिया पारदर्शिता और शुचिता के साथ संपन्न की जा रही है। मुख्यमंत्री जी

ने कहा कि विगत 06 वर्षों से प्रदेश की युवाओं की प्रतिभा का प्रदेश में ही सम्मान किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि आज प्रदेश द्रुत गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रत्येक क्षेत्र में प्रदेश विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बना है और देश में बहुत सी नजीरों को प्रस्तुत करता हुआ आगे बढ़ रहा है। वास्तव में यह समाज के लिए प्रेरणा है। यदि समाज अपनी प्रतिभा को सम्मानित करता है तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, तो उसकी विकास की प्रक्रिया को कोई बाधित नहीं कर सकता। वह विकास के नित नए सोपान को प्राप्त करता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गयी है। अवसंरचना के क्षेत्र में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनसे नए अवसरों का सृजन हुआ है। हम सब प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप प्रदेश, देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2017 से पूर्व युवाओं के मन में निराशा थी क्योंकि प्रदेश में चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। प्रदेश के बाहर युवाओं को पहचान के संकट का सामना करना पड़ता था। आज प्रदेश के युवा देश में कहीं भी जाते हैं तो लोग पलक-पांवडे बिछा कर सम्मान देने के लिए तैयार रहते हैं। जब सरकार की कार्य पद्धति में कोई खोट नहीं होती और सरकार पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करती है तो उस कार्य का लाभ संपूर्ण प्रदेशवासियों को प्राप्त होता है। अब प्रदेश के युवाओं को अपने राज्य में ही कार्य प्राप्त हो रहा है। ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के गैर-राजपत्रित पदों को साक्षात्कार की प्रक्रिया से मुक्त किया जा चुका है। प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा (पी0ई0टी0) की भी व्यवस्था की गई है। इसमें प्रतिवर्ष लाखों युवा भाग लेते हैं। इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को ही भर्ती की आगे की प्रक्रिया से जोड़ा जाता है। जो भी चयन किया जा रहा है वह धांधली की प्रक्रिया से पूरी तरह से मुक्त है। योग्यतम लोग प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करते हुए दिखाई दे रहे हैं। निजी क्षेत्र में भी संभावनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है। प्रदेश क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। एम0एस0एम0ई0 का सबसे बड़ा बेस उत्तर प्रदेश के पास उपलब्ध है। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 90 लाख से अधिक इकाइयां हैं। इनको रोजगार सृजन का माध्यम बनाने के लिए कई प्रक्रियाओं को सरल बनाने का कार्य किया गया। इसका लाभ प्रदेश को प्राप्त हुआ है। कोरोना कालखण्ड में 40 लाख से अधिक कामगार और श्रमिक विभिन्न राज्यों को छोड़कर वापस उत्तर प्रदेश में आए तो उनके हाथों को कार्य देने के लिए एम0एस0एम0ई0 के इसी बेस का उपयोग किया था। इन कामगारों ने एम0एस0एम0ई0 इकाइयों को नई ऊंचाई प्रदान की है। एक जिला एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से भी प्रदेश की प्रतिभा को स्किल के साथ जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश को निर्यात के हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। प्रदेश ने तेजी के साथ अपने निर्यात को दोगुने से अधिक बढ़ाया है। प्रदेश में किसी भी प्रक्रिया में भाई भतीजावाद, जातिवाद के लिए जगह नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

पहले प्रेमिका की हत्या, फिर खुद जान दी: आधी रात घर पहुंचा

रामपुर । सिरफिरे प्रेमी ने प्रेमिका की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद की कनपटी में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। गोली की आवाज सुनकर लड़की के घरवाले आ गए। आनन-फानन में दोनों को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला शहर पॉश इलाके ईदगाह का है। मृतक लड़की का नाम ताईबा (18) है। उसकी दो बहनें और 3 भाई हैं। उसके पिता का 1 महीने पहले निधन हो गया था। जबकि मृतक लड़के का नाम तालिब (20) है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। तालिब और ताईबा के घरों के बीच की दूरी 100 मीटर है। लड़की के परिजनों ने बताया कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे तालिब ने घर का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद बेटी ताईबा ने दरवाजा खोला। दरवाजा खोलते ही तालिब ने बेटी के सिर में गोली मार दी। ताईबा मौके पर गिर गई और तड़पने लगी। इसके बाद तालिब घर के बाहर आया और खुद को भी कनपटी में गोली मार ली। परिजनों ने बताया कि गोली की आवाज सुनकर हम लोग दरवाजे पर पहुंचे, देखा तो बेटी खून से लथपथ तड़प रही थी। बेटी से 10 फीट दूरी तालिब भी गिरा पड़ा था। उसके सिर से खून बह रहा था। इसके बाद हम लोग दोनों को अस्पताल ले गए। जहां दोनों की मौत हो गई। एसपी अशोक कुमार ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला प्रसंग का नजर आ रहा है। कॉल डिटेल और अन्य जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है कि तालिब ने ऐसा क्यों किया? पिस्टल लड़के के पिता की है, जो लाइसेंसी है। उन्होंने संभावना जताई है कि मामला एकतरफा प्यार का हो भी सकता है।

लखनऊ में मार्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन स्नैचिंग

लखनऊ । तालकटोरा इलाके में शनिवार सुबह पूजा के लिए फूल तोड़ रही रिटायर्ड सैन्यकर्मी की पत्नी से बाइक सवार लुटेरों ने चेन लूट ली। महिला ने बदमाशों का विरोध भी किया। बदमाश उनको धक्का देकर भाग निकले। घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई है। पुलिस एफआईआर दर्ज करके फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवकों की तलाश कर रही है। राजाजीपुरम निवासी रिटायर सैनिक रमाकांत शुक्ल की पत्नी चंद्रावती शनिवार सुबह एक घर के पास फूल तोड़ रही थी। उसी दौरान बाइक सवार लुटेरे उनका पीछा करते हुए पहुंचे। जिसमें से एक युवक बाइक से उतरा और उनके साथ ही पेड़ से फूल तोड़ने लगा। करीब दो मिनट तक मौके की तलाश में फूल तोड़ रहे बदमाश ने महिला के सड़क पर आते ही गले पर झपट्टा मारकर चेन तोड़ ली। चंद्रावती ने चेन लूट कर भाग रहे लुटेरे को पकड़ने की कोशिश के साथ शोर मचाया, लेकिन लुटेरा धक्का देकर भाग निकला। इंस्पेक्टर अजय मिश्र ने बताया कि लूट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। लुटेरों की तलाश की जा रही है।

बरेली में हिस्ट्रीशीटर की कनपटी पर गोली मारकर हत्या

बरेली । सट्टे के विवाद में बदमाशों हिस्ट्रीशीटर की कनपटी और सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। हिस्ट्रीशीटर 25 दिन पहले जेल से जमानत पर रिहा होकर आया था। उसने शनिवार सुबह बादरारी थाना पुलिस से हत्या की आशंका जताई थी। मगर, पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया। इसके चलते बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना प्रेमनगर थाने से 250 मीटर की दूरी पर हुई। अजय वाल्मीकि (24) बारादरी थाना क्षेत्र के नरकुलागंज में परिवार के साथ रहता था। उसके परिवार में माता-पिता और बहन-भाई है। मां ने बताया कि शनिवार को बेटे के फोन पर किसी का फोन आया था। वह बात करते हुए घर से निकल गया था। इसके बाद प्रेमनगर थाने से सिर्फ 250 मीटर की दूरी पर अजय की बाइक को तीन बदमाशों ने रुकवा लिया। इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। अजय को एक गोली कनपटी और सीने में लगी। इससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एक बदमाश को पकड़ लिया। जबकि बाइक सवार दो बदमाश भाग गए। पुलिस ने घायल हिस्ट्रीशीटर को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मां ने कहा कि 11 जुलाई को चार लोगों ने घर में घुसकर धमकी दी थी। कहा था अवैध सट्टे की शिकायत वापस नहीं ली तो हत्या कर देंगे। उस समय मेरा बेटा घर पर नहीं मिला था। वह धमकी देकर चले गए थे। इसके बाद बेटे ने सुबह थाने में पुलिस से शिकायत कर जान से खतरा बताया था। इसके बाद ही रात में ही बदमाशों ने हत्या कर दी। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि मौके से एक हत्यारोपी विनय कुमार को गंगापुर नाग पंचमी मैदान से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। फरार दो बदमाशों की तलाश की जा रही है। हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ प्रेमनगर और दूसरे थानों में 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। प्रेम नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। वह पहले सट्टे के मामले में ही जेल गया था। 25 दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था।

सड़क पर नमाज पढ़ने पर इमाम सहित 25 पर एफआईआर

मुजफ्फरनगर । सड़क पर जुमे की नमाज पढ़ने के मामले में पुलिस ने इमाम सहित 25 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।सार्वजनिक रास्ता रोककर सड़क पर जुमे की नमाज पढ़े जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद पुलिस ने ये कार्रवाई की है। मुजफ्फरनगर में 14 जुलाई को शहर की सैकड़ों मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा हुई थी। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ लोग सार्वजनिक रास्ता रोककर सड़क पर नमाज पढ़ते नजर आए। वायरल वीडियो शहर कोतवाली क्षेत्र के रहमत नगर स्थित रहमान मस्जिद के बाहर का बताया जा रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। एएसपी आयुष विक्रम सिंह ने बताया था कि शहर कोतवाली पुलिस को इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। जिसके बाद शहर कोतवाली में सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र श्योरण ने सड़क पर नमाज पढ़ने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच की गई तो पता चला कि शुक्रवार को रहमत नगर फवारा चौक के पास रहमान मस्जिद के इमाम नसीम पुत्र नूर मोहम्मद ने मस्जिद के बाहर 20-25 लोगों को सार्वजनिक रास्ता रोक सड़क पर नमाज पढ़ाई। जिससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस मामले में मस्जिद के इमाम 20-25 अज्ञात नमाजियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 341 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 400 लोगों की समस्याएं

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है और सभी के साथ न्याय किया जाएगा। लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों को इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने एक-एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। इत्मीनान से उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। कुछ लोगों की बिजली बिल संबंधी परेशानी पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओटीएस योजना से लोगों को राहत प्रदान की जाए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

लघु कथा

संवाददाता

सावन को आने दो। देश दुनिया पर इश्क का भूत सवार था रोज लव जिहाद लड़कियों का रोना पछताना थाना पुलिस कचहरी कानून वकील पत्रकार नेता दिलचस्पी लेकर जुट गए थे हर तरफ लैला मजनू नजर आने लगे थे। नारी सशक्तिकरण अपने चरम पर था एसडीएम ज्योति मौर्य जिला कमांडेंट दुबे के साथ रंगरेलियां मना रही थी पति रोता चिल्लाता गुहार लगा रहा था दुबे जी चौबे बनने के चक्कर में सिक्स वेदो के ज्ञाता बन गए थे इस पाक मोहब्बत का सबसे मजबूत विकेट दुबे जी जेल जाने की प्रक्रिया पर गुजरने लगे एसडीएम और जिला कमांडेंट आलोक मौर्या को दुनिया से विदा कराने को संकल्प ले चुके थे तैयारी के पूर्व ही दोनों अधिकारी कानून की गिरफ्त में आ चुके थे। तभी धमाका हुआ पाकिस्तान की रहने वाली एक खूबसूरत महिला अपने बच्चों के साथ एक उल्लू के पट्ठे को मुंह पास में बांधकर हिंदुस्तान दाखिल हो गई थी चारों तरफ मीडिया कर्मी पत्रकार देशभक्त प्यार करने वाले शासन-प्रशासन अचानक सकती हो गया पाकिस्तान पर धमकी मिलने लगी सीमा हैदर नाम की महिला रातों-रात देश विदेश में छा गई कुछ कहते आ जाता है कोई कहता बच्चों के साथ कई देशों के होकर भारत आने वाली सीमा हैदर प्यार की देवी है लोग बलिहार जाने लगे जान लेने जान देने की आमचर्चा होने लगी महिलाओं को लेकर ऐसा माहौल बना की विषम समस्याओं को दरकिनार करके चैनल यूट्यूब फेसबुक व्हाट्सएप सभी पर केवल रोमांस की चर्चा होने लगी लैला मजनू शीरी फरहाद रोने लगे तभी सावन को आने दो का गीत बजने लगा तो प्यार के आगोश में बच्चे बूढ़े नौजवान लड़के लड़कियां सभी समाने लगे थे।

अशोक अवस्थी पत्रकार
सीतापुर यूपी।

सीएम ने पार्षदगणों एवं अधिकारियों के साथ की बैठक

● स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में गोरखपुर को स्थान दिलाने के लिए सभी जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण मिलकर कार्य करें: मुख्यमंत्री ● स्वच्छता सर्वेक्षण के सम्बन्ध में जागरूकता के लियें प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में जनपद स्तरीय रैली निकाली जाए ● प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाते हुए शत-प्रतिशतडोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन किया जाए ● प्रधानमंत्री जी के जनपद दौरे की सफलता से विकास के प्रति गोरखपुरवासियों की जागरूकता का संदेश गया ● गोरखपुर शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा, इसलिए गोरखपुर में स्मार्ट सिटी के दृष्टिगत कार्य किया जाए ● सिंचाई विभाग के अधिकारी बाढ़ से सम्बन्धित किये जाने वाले निरोधात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से समय से सम्पन्न कराएं

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज गोरखपुर में पार्षदगणों एवं अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में गोरखपुर को स्थान दिलाने के लिए सभी जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण मिलकर कार्य करें। स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 के फील्ड सर्वे की तैयारी अभी से कर ली जाए। लोगों को जागरूक करने के लिए सभी 80 वॉर्डों के साथ ही जोन वार जागरूकता रैली निकाली जाए, जिसमें पार्षद गण, सांसदगण, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल हों। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के सम्बन्ध में जागरूकता के लियें प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में जनपद स्तरीय रैली निकाली जाए। आमजन में जागरूकता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुये वॉर्डवार होर्डिंग आदि लगायी जाये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ ही प्लास्टिक के खिलाफ भी अभियान चलाते हुए शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने विगत दिनों हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दौरे की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम जिस प्रकार से सम्पन्न कराया गया, उससे एक बहुत बड़ा संदेश गया है कि गोरखपुरवासी विकास के प्रति जागरूक हैं और विकास के लिए आमजन भी मिलकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, इसलिए गोरखपुर में स्मार्ट सिटी के दृष्टिगत कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन त्रिनेत्र में जगह-जगह सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए गए हैं। अगले चरण मे इन कैमरों से निगरानी के लिये इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कण्ट्रोल रूम बनाया जाए, जिसमें सभी सी0सी0टी0वी0 कैमरे से निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कण्ट्रोल रूम का निर्माण नगर निगम, गोरखपुर विकास प्राधिकरण, पुलिस विभाग और जन सहभागिता से किया जाये। साथ ही बैंक, व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी कैमरे लगाए जाएं। सुरक्षा की बेहतरीन व्यवस्था करते हुए आई0टी0एम0एस0/ इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कण्ट्रोल रूम का बेहतरीन उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने नगर आयुक्त से कहा कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिये कार्ययोजना बनाते हुए शहर को साफ-सुथरा रखा जाए शहर को साफ और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है, इसलिए सबको मिलकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने बाढ़/जलजमाव से बचाव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सांसद, महापौर, स्थानीय पार्षद एवं नगर आयुक्त अपने अपने क्षेत्रों के रेगुलेटरों का निरीक्षण करें तथा विधायक ग्रामीण एवं जिला अधिकारी, तरकुलानी रेगुलेटर का निरीक्षण करें। किसी भी हालत में शहर में जल जमाव की स्थिति न आने पाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से संबंधित जो भी निरोधात्मक कार्य किए जाने हैं, उनको प्रभावी ढंग से समय से सम्पन्न कराएं इसमें किसी प्रकार की शिकायत ना आने पाए बैठक में सांसद श्री रवि किशन, गोरखपुर के महापौर डॉ0 मंगलेश श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुरत मनपा नोटिस का खेल या सेटिंग.कॉम नगर सेवक ?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, कुछ दिन पहले ही नगर सेवक का वीडियो वायरल होने के बाद भी अभी सुरत मनपा की सेटिंग.कॉम की काम अधिकारीयों और नगरसेवक की सेटिंग से हो रहे कार्य जिसका नमूना यह हो रहे कार्य हैं,जिसमें सूत्रों के अनुसार सुरत मनपा कमिश्नर भी सुरत मनपा के उधना-ऐ & बी में आज दिन तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही किया गया है, सिर्फ कागजों का खेल कर रहे हैं, जिसमें विजिलेंस अधिकारी भी सुरत मनपा कमिश्नर के अनुसार नही बल्कि विजिलेंस अधिकारी के अनुसार ही सुरत मनपा कमिश्नर कार्य करते हैं ?

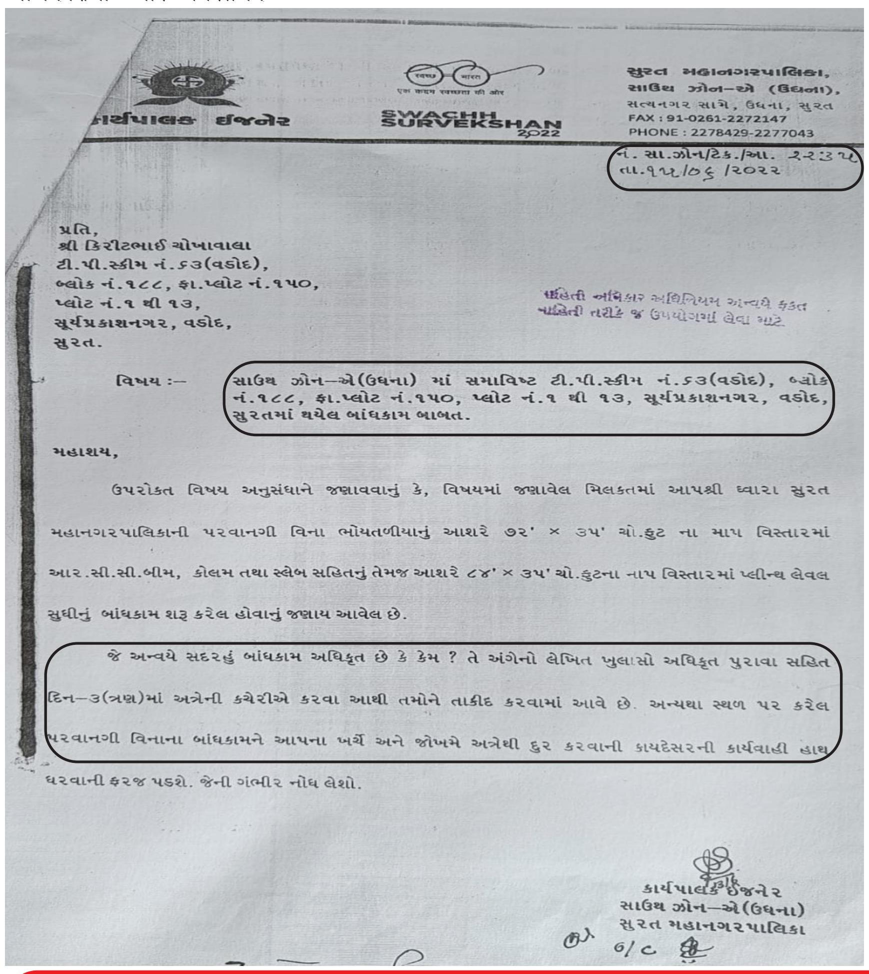
કાર્યપાલક ઈજનેર
SWACHH SURVEKSHAN 2022
સુરત મહાનગરપાલિકા,
સાઉથ ઝોન-એ (ઉધના),
સત્યનગર સામે, ઉધના, સુરત
FAX : 91-0261-2272147
PHONE : 2278429-2277043

નં. સા.ઝોન/ટેક./આ. ૨૨૩૫
તા.૧૫/૦૬/૨૦૨૨

પ્રતિ,
શ્રી કિરીટભાઈ ચોખાવાલા
ટી.પી.સ્કીમ નં.૬૩(વડોદ),
બ્લોક નં.૧૮૮, ફા.પ્લોટ નં.૧૫૦,
પ્લોટ નં.૧ થી ૧૩,
સૂર્યપ્રકાશનગર, વડોદ,
સુરત.

માહિતી અધિકાર અધિનિયમ અન્વયે ફક્ત માહિતી તરીકે જ ઉપયોગમાં લેવા માટે.

વિષય :- સાઉથ ઝોન-એ(ઉધના) માં સમાવિષ્ટ ટી.પી.સ્કીમ નં.૬૩(વડોદ), બ્લોક નં.૧૮૮, ફા.પ્લોટ નં.૧૫૦, પ્લોટ નં.૧ થી ૧૩, સૂર્યપ્રકાશનગર, વડોદ, સુરતમાં થયેલ બાંધકામ બાબત.

મહાશય,

ઉપરોક્ત વિષય અનુસંધાને જણાવવાનું કે, વિષયમાં જણાવેલ મિલકતમાં આપશ્રી દ્વારા સુરત મહાનગરપાલિકાની પરવાનગી વિના ભોંયતળીયાનું આશરે ૭૨' × ૩૫' ચો.ફુટ ના માપ વિસ્તારમાં આર.સી.સી.બીમ, કોલમ તથા સ્લેબ સહિતનું તેમજ આશરે ૮૪' × ૩૫' ચો.ફુટના માપ વિસ્તારમાં પ્લીન્થ લેવલ સુધીનું બાંધકામ શરૂ કરેલ હોવાનું જણાય આવેલ છે.

જે અન્વયે સદરહું બાંધકામ અધિકૃત છે કે કેમ ? તે અંગેનો લેખિત ખુલાસો અધિકૃત પુરાવા સહિત દિન-૩(ત્રણ)માં અત્રેની કચેરીએ કરવા આથી તમોને તાકીદ કરવામાં આવે છે. અન્યથા સ્થળ પર કરેલ પરવાનગી વિનાના બાંધકામને આપના ખર્ચે અને જોખમે અત્રેથી દુર કરવાની કાયદેસરની કાર્યવાહી હાથ ધરવાની ફરજ પડશે. જેની ગંભીર નોંધ લેશો.

કાર્યપાલક ઈજનેર
સાઉથ ઝોન-એ (ઉધના)
સુરત મહાનગરપાલિકા

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com